भाद्रपद कृष्ण - 13 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 39 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 31-08-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

उत्तर प्रदेश में ई-कॉमर्स के माध्यम से एक नए युग का सूत्रपातः योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि स्वाभाविक रूप से ई-कॉमर्स के माध्यम से प्रदेश में एक नए युग का सूत्रपात हुआ है। शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में योगी ने फ्लिपकार्ट के उन्नाव व वाराणसी में वेयरहाउस का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन कर 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) विक्रेताओं के अनुभव साझा करने के दौरान यह बात कही।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने कहा,

हमने डिजायन, तकनीक, विपणन समेत विभिन्न पहलुओं पर काम करके पैकेजिंग और निर्यात पर ध्यान केंद्रित किया, लेकिन इसको और गति देने का कार्य तब हुआ जब फ्लिपकार्ट हमारे साथ जुड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा, ई-कॉमर्स मंच के रूप में जब उसने सेवाएं देनी प्रारंभ की तो ओडीओपी योजना न केवल प्रदेश बल्कि देश व दुनिया में प्रसिद्ध होती दिखाई दी, बल्कि स्वाभाविक रूप से ई-कॉमर्स के माध्यम से एक नए युग का सूत्रपात हुआ। उन्होंने कहा कि यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहा है और हर नागरिक को फिर चाहे व शहर में हो या फिर गांव में, उसे इस मंच के माध्यम से दुनिया के किसी भी बाजार तक अपने उत्पाद को पहुंचाने का सामर्थ्य प्राप्त हुआ है। यह पहले असंभव सा लगता था।

इस मौके पर उन्होंने उत्तर प्रदेश में भंडारण नीति का लाभ लेकर कंपनियों को इस क्षेत्र में असीम संभावनाओं पर कार्य करने का भी आह्वान किया। योगी ने कहा कि दुनिया के किसी भी बाजार तक अपने उत्पाद को पहुंचाने का काम पहले कठिन लगता था मगर आज तकनीक ने इसे न केवल संभव बनाया, बल्कि इसे नई दिशा भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मातृशक्ति को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने तीन बड़े समूह के साथ करार किए थे और ये प्रयास अब रंग दिखाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के अंदर सबसे अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाई वाला राज्य भी है।

झारखंड : पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भाजपा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) छोड़ने के दो दिन बाद पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शुक्रवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी की वर्तमान कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने और खुद को 'अपमानित' किए जाने का आरोप लगाते हुए सोरेन ने झामुमो से दशकों पुराना नाता तोड़ लिया था। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा की मौजूदगी में सोरेन बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। इस दौरान उनका जोरदार स्वागत किया गया, जिससे सोरेन कुछ समय के लिए भावुक भी हो गए। राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा, ''दिल्ली और कोलकाता में झारखंड सरकार द्वारा निगरानी में रखे जाने के बाद, भाजपा में शामिल होने का मेरा संकल्प और मजबूत हो गया।'' उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा आदिवासियों की पहचान बचा सकती है और झारखंड के संथाल परगना में घुसपैठ रोक सकती है। कांग्रेस द्वारा आदिवासी पहचान को दांव पर लगाने का आरोप लगाते हुए चंपई सोरेन ने कहा, ''मैं लोगों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'' उन्होंने कहा, मैंने अपने खून-पसीने से झामुमो का आगे बढ़ाया, लेकिन मुझे अपमानित किया गया।

'टाइगर जिंदा है': चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने पर बोले शिवराज

रांची/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को एक समारोह में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में स्वागत करते हुए कहा, 'टाइगर जिंदा है'।

सोरेन को झारखंड में 'कोल्हान टाइगर' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के साथ झारखंड निर्माण के लिए किए गए आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। झामुमो के पूर्व नेता चंपई सोरेन शुक्रवार को भाजपा में शामिल हो गए। दो दिन पहले उन्होंने झामुमो की मौजूदा कार्यशैली से असंतुष्ट होने और 'कटु अपमान' का हवाला देते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। शिवराज ने कहा, ''चंपई सोरेन ने झारखंड के निर्माण के लिए बहुत कठिन लड़ाई लड़ी और उनके प्रयासों के कारण ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राज्य बनाया।'' उन्होंने कहा कि चंपई ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को माली की तरह सींचा, लेकिन उनके साथ सौतेला व्यवहार किया गया। चौहान ने कहा, ''जब चंपई झारखंड के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने बिचौलियों के खिलाफ कड़े फैसले लिए। इससे झामुमो नाराज हो गया और उसने उन्हें अपमानित करना शुरू कर दिया। वह झारखंड को भ्रष्टाचार से मुक्त करने का प्रयास कर रहे थे।''

विश्वविद्यालय कानून में संशोधन करेगी ओडिशा सरकारः मंत्री

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने राज्य की पूर्ववर्ती बीजद सरकार द्वारा लाए गए ओडिशा विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम 2020 में संशोधन करने का फैसला किया है। यह जानकारी उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा को दी।

बीजू जनता दल (बीजद) विधायक गणेश्वर बेहरा के प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री सूरज ने कहा, चूंकि आप बीजद सरकार द्वारा बनाए गए अधिनियम में संशोधन की मांग कर रहे हैं, इसलिए हम निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। सूरज ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस संबंध में ओडिशा सरकार को एक पत्र लिखा है।

जयपुर और बारीपदा में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति पर मंत्री ने कहा कि संस्थान विशेष ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों की देखरेख में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन होने के बाद कुलपति के साथ-साथ शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे हल हो जाएंगे।

राज्य की पूर्ववर्ती बीजद सरकार ने 1989 के मूल अधिनियम में कई व्यापक संशोधन करते हुए ओडिशा विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम लागू किया था।

मंत्री ने कहा कि कुलपतियों के चयन और विश्वविद्यालयों में शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के संबंध में मौजूदा अधिनियम में निहित प्रावधान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों से अलग हैं।

पत्र लिखना बंद कर सवालों के जवाब दीजिएः भाजपा ने ममता बनर्जी से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए उन्हें 'झूठा' करार दिया और उनसे यह बताने को कहा कि उन्होंने अपने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए मौजूदा 'कड़े' नियमों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए क्यों नहीं कुछ किया है।

भाजपा की यह टिप्पणी बनर्जी की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों के लिए कड़े केंद्रीय कानून और कड़ी सजा देने का अनुरोध दोहराए जाने के मद्देनजर आई है। उन्होंने बलात्कार व बलात्कार-हत्या के मामलों के समयबद्ध निपटारे के लिए कानून में अनिवार्य प्रावधान की भी मांग की थी।

पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ममता बनर्जी को यह बताना चाहिए कि पश्चिम बंगाल सरकार ने उन कड़े नियमों को लागू करने के लिए कुछ क्यों नहीं किया है, जो महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए मौजूद हैं।'' उन्होंने कहा, ''पत्र लिखना बंद कीजिए। प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप जवाबदेह हैं।'' बनर्जी ने अपने ताजा पत्र में कहा कि उन्हें इस मुद्दे पर अभी तक प्रधानमंत्री से जवाब नहीं मिला है, जिसे उन्होंने अपने पिछले पत्र में उठाया था।

हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें केंद्रीय महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) मंत्री अन्नपूर्णा देवी से एक पत्र मिला है। बनर्जी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्री का पत्र उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे की गंभीरता पर मुश्किल से ध्यान देता है, लेकिन इस सामान्य जवाब को भेजते समय विषय की गंभीरता और समाज के लिए इसकी प्रासंगिकता को पर्याप्त रूप से नहीं समझा गया है।

बनर्जी ने प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में उल्लेख किया कि पश्चिम बंगाल में 88 त्वरित (फास्ट-ट्रैक) विशेष अदालतें और 62 पॉक्सो-निर्दिष्ट अदालतें पहले से ही राज्य के वित्त पोषण पर काम कर रही हैं। मालवीय ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''ममता बनर्जी झूठी हैं।'' उन्होंने कहा, ''केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने 25 अगस्त, 2024 को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को जवाब दिया। अपने पत्र के बिंदु चार में उन्होंने (महिला एवं बाल विकास मंत्री) विशेष रूप से उल्लेख किया है कि पश्चिम बंगाल सरकार बलात्कार और पॉक्सो से संबंधित मामलों के निपटारे के लिए एक भी फास्ट ट्रैक अदालत स्थापित नहीं कर रही है।'' मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को लिखे गए महिला एवं बाल विकास मंत्री के पत्र की एक प्रति भी 'एक्स' पर साझा की। मालवीय ने कहा कि पिछले 48 घंटों में पश्चिम बंगाल में बलात्कार के सात मामले सामने आए हैं, जिनमें ज्यादातर नाबालिगों के हैं और कुछ मामलों में हत्या भी हुई है।

चंपई सोरेन पर छह महीने तक निगरानी रखी गई, दो महीने में करारा जवाब देंगेः हिमंत

रांची/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन पर उनकी ही सरकार ने छह महीने तक निगरानी रखी।

उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले भ्रष्ट गठबंधन को दो महीने बाद करारा जवाब मिलेगा। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी शर्मा ने सोरेन को पार्टी (भाजपा) में शामिल करने से संबंधित समारोह में यह आरोप लगाया। चंपई सोरेन ने 28 अगस्त को झामुमो छोड़ दी थी। शर्मा ने कहा, झारखंड पुलिस ने छह महीने तक चंपई सोरेन पर निगरानी रखी। मैंने कभी किसी मुख्यमंत्री के साथ ऐसा होते नहीं सुना। मैंने आपको (मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन) को चेतावनी देता हूं, हम दो महीने बाद करार जवाब देंगे।

संसदीय सुधारों की जरूरत, पीठासीन अधिकारी न्यायपालिका से लाने पर विचार होः तिवारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने संसद के दोनों सदनों में आसन और विपक्षी सांसदों के बीच अक्सर होने वाली नोकझोंक की पृष्ठभूमि में कहा है कि गहन संसदीय सुधारों की आवश्यकता है तथा शीर्ष न्यायपालिका से अस्थाई आधार पर पीठासीन अधिकारियों की सेवा लेने पर विचार किया जा सकता है।

तिवारी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं और यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में पीठासीन अधिकारियों की भूमिका पर फिर से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने 'पीटीआई' के विशेष कार्यक्रम '4 पार्लियामेंट स्ट्रीट' में समाचार एजेंसी के संपादकों के साथ बातचीत में कहा, ''लोकसभा अध्यक्ष एक विशेष राजनीतिक दल से होते हैं

और यदि उन्हें फिर से निर्वाचित होना है तो उन्हें अपने राजनीतिक दल से टिकट मांगना होगा। आप चाहे कितना भी ईमानदार और निष्पक्ष होने का प्रयास करें, लेकिन खुद का अस्तित्व बनाए रखने की एक स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है।'' तिवारी का कहना था कि ब्रिटेन में वर्तमान स्पीकर को दोबारा चुनाव से गुजरना नहीं पड़ता क्योंकि कोई भी उसके खिलाफ उम्मीदवार नहीं खड़ा करता है, यह उसे पक्षपातपूर्ण होने के दाग से मुक्त करता है। यह एक अलिखित परंपरा है जो स्पीकर को संसदीय कार्यवाही के रूप में कहीं अधिक निष्पक्ष भूमिका निभाने में सुविधा प्रदान करती है।

सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

इटावा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के इकदिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में सात साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि इकदिल थाना क्षेत्र के एक गांव में बृहस्पतिवार की शाम सात वर्ष की एक बच्ची पड़ोसी के घर अन्य बच्चों के साथ खेलने गई थी। रिश्ते में चाचा लगने वाले 24 वर्षीय युवक ने मौका पाकर कथित तौर पर बच्ची को कमरे में बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया।

उन्होंने बताया कि घायल अवस्था में बच्ची रोती हुई अपने घर पहुंची और परिजनों को इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और दुष्कर्म से संबंधित साक्ष्यों को एकत्रित किया।

वर्मा ने बताया कि पीड़िता के परिवार की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर दुष्कर्म का अभियोग पंजीकृत कर आरोपी अंकित राठौर को बृहस्पतिवार रात में ही गिरफ्तार कर लिया गया और पीड़ित बच्ची को इलाज और मेडिकल जाँच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

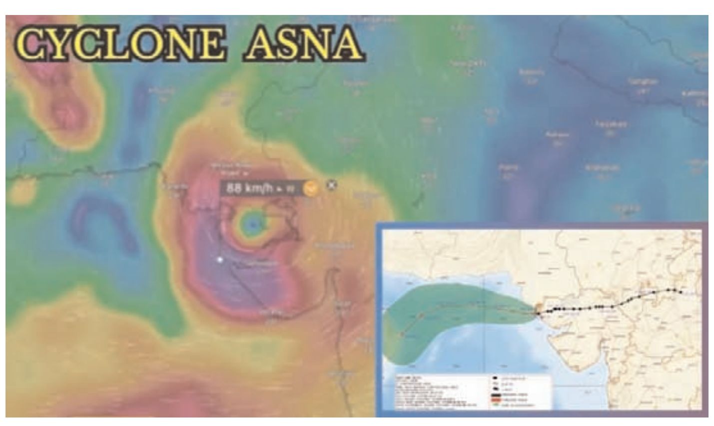

चक्रवात 'असना': अरब सागर में 1976 के बाद अगस्त महीने में पहली बार आया चक्रवाती तूफान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात में शुक्रवार को मूसलाधार बारिश और बाढ़ का कारण बना गहन 'अवदाब' कच्छ के अपतटीय और पास के पाकिस्तानी इलाके में चक्रवात 'असना' के रूप में तब्दील हो गया। वर्ष 1976 के बाद से अरब सागर में अगस्त महीने में आया यह पहला चक्रवाती तूफान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। इसका चक्रवात का नाम 'असना' पाकिस्तान ने दिया है।

आईएमडी के अनुसार, वर्ष 1891 और 2023 के बीच अगस्त के दौरान अरब सागर में केवल तीन चक्रवाती तूफान आए (1976, 1964 और 1944 में) हैं। वर्ष 1976 का चक्रवात ओडिशा से उत्पन्न हुआ जो पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और अरब सागर में प्रवेश कर गया। हालांकि ओमान तट के पास उत्तर-पश्चिम अरब सागर में यह कमजोर हो गया।

वर्ष 1944 के चक्रवात ने अरब सागर में उत्पन्न होने के बाद प्रचंड रूप ले लिया। वर्ष 1964 में एक और अल्पकालिक चक्रवात दक्षिण गुजरात तट के पास विकसित हुआ और तट के पास ही कमजोर हो गया। कच्छ तट और पाकिस्तान तथा पूर्वोत्तर अरब सागर के आसपास के क्षेत्रों के ऊपर बना 'गहन अवदाब' पिछले छह घंटों के दौरान छह किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम की ओर बढ़ गया जो चक्रवाती तूफान 'असना' (जिसे अस-ना कहा जाता है) में बदल गया। यह चक्रवाती तूफान सुबह साढ़े 11 बजे भुज (गुजरात) से 190 किमी दूर पश्चिम-उत्तर पश्चिम में फिर उसी क्षेत्र पर केंद्रित हो गया।

जब प्रधानमंत्री पूरी दुनिया में जा सकते हैं तो मणिपुर का दौरा क्यों नहीं कर सकते : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की टिप्पणियों को लेकर शुक्रवार को उन पर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा तथा सवाल किया कि जब प्रधानमंत्री पूरी दुनिया में जा रहे हैं तो हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करके शांति की स्थापना की पहल क्यों नहीं कर सकते।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह अपनी विश्वसनीयता खो चुके हैं और उनके रहते हालात में बेहतरी नहीं आ सकती। इससे पहले, बीरेन सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि केंद्र की मदद से छह महीने में पूर्ण शांति बहाल की जाएगी। साथ ही, पद छोड़ने से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने न तो कोई अपराध किया है और न ही कोई घोटाला किया है। सिंह ने पहली बार खुलासा किया कि उन्होंने कुकी-जो और मेइती नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए एक दूत नियुक्त किया है। आधिकारिक गणना के अनुसार, मई 2023 से कुकी-जो और मेइती जातीय समूहों के बीच संघर्ष में 226 लोग मारे गए हैं। सिंह ने कहा, ''इसे बातचीत के जरिए ही सुलझाया जा सकता है। संवाद ही एकमात्र रास्ता है।'' उन्होंने बताया कि नगा विधायक और 'हिल एरिया कमेटी' के अध्यक्ष डिंगांगलुंग गंगमेई को दूत नियुक्त किया गया है।

मनीष नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेटराउ/ भाषा। भारत के मनीष नरवाल ने पेरिस पैरालम्पिक में शुक्रवार को पुरूषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच 1) स्पर्धा में रजत पदक जीता।

बाईस वर्ष के नरवाल ने टोक्यो पैरालम्पिक में मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच 1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। वह कुछ

समय आगे चल रहे थे लेकिन कुछ खराब शॉट के कारण वह दक्षिण कोरिया के जो जियोंगडू से पिछड़ गए। भारत के निशानेबाज शिवा नरवाल के भाई मनीष ने 234.9 स्कोर किया जबकि जियोंगडू ने 237.4 स्कोर करके स्वर्ण पदक जीता। नरवाल क्वालीफिकेशन दौर में 565 स्कोर करके पांचवें स्थान पर रहे थे । फरीदाबाद के रहने वाले नरवाल ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में कई पदक जीते हैं। भारत के रूद्रांक्ष खंडेलवाल फाइनल में जगह नहीं बना सके और 561 स्कोर करके नौवे स्थान पर रहे । एसएच 1 वर्ग में खिलाड़ी बिना किसी दिक्कत के पिस्टल उठा सकते हैं व व्हीलचेयर या चेयर पर से खड़े होकर या बैठकर निशाना लगाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to Magadi road Metro station
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

दो सहेलियों को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में 2 युवक गिरफ्त में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फर्रुखाबाद (उप्र)/भाषा। पिछले दिनों यहां दो सहेलियों की खुदकुशी के मामले में पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इन दलित लड़कियों के शव मंगलवार को एक पेड़ पर लटके मिले थे। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि युवती के पिता की ओर से प्रेमियों के खिलाफ तहरीर के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाने) के तहत युवक दीपक निवासी भैंसार धर्मपुर और पवन निवासी भगौतीपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। कोतवाली कायमगंज पुलिस ने आरोपी दीपक और पवन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवकों की इन लड़कियों से बातचीत होती थी। 26 अगस्त को जन्माष्टमी के दिन गांव में ही दुर्गा मंदिर पर एक कार्यक्रम था जिसमें दोनों सहेलियां गई थीं और घर वापस नहीं आईं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से पुलिस को एक मोबाइल फोन और किशोरी के पास से मोबाइल सिम मिला था।

विवेचना के दौरान आरोपी युवकों के साथ इन लड़कियों की बातचीत होने का तथ्य सामने आया।

नतीजे के बजाय अपने विचारों पर ध्यान दे रही थी : अवनि लेखरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेटराउ/भाषा। ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पैरा निशानेबाज अवनि लेखरा का ध्यान पेरिस पैरालंपिक में और अधिक पदक जीतने पर लगा है और उनका कहना है कि वह अपनी बची हुई दो स्पर्धाओं में भी पोडियम पर आना चाहती हैं।

अवनि शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) निशानेबाजी स्पर्धा लगातार दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं।

तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय अवनि ने शानदार 249.7 अंक हासिल कर तीन साल पहले के अपने ही पैरालम्पिक रिकॉर्ड 249.6 को तोड़ दिया।

अवनि ने ऐतिहासिक जीत के बाद कहा, ''यह बहुत करीबी फाइनल था। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए बहुत कम अंतर था। लेकिन मैं नतीजों के बजाय अपने विचारों पर ध्यान लगा रही थी। ''

इस चैम्पियन निशानेबाज ने कहा, ''मुझे खुशी है कि इस बार भी एरीना में बजने वाला पहला राष्ट्रगान भारत का राष्ट्रगान था। मुझे अभी दो और स्पर्धाओं में हिस्सा लेना है इसलिए मैं देश के लिए और पदक जीतने पर ध्यान लगाये हूं।''

वहीं अवनि के साथ कांस्य पदक जीतने वाली मोना अग्रवाल ने कहा, ''काफी मुश्किल था लेकिन मैं सफल रही। इसलिए शुक्रिया। अवनि के साथ रहने निश्चित रूप से मदद की। वह एक चैम्पियन हैं और वह मुझे प्रेरित करती हैं। ''

मोना (37 वर्ष) ने निशानेबाजी से पहले गोला फेंक, पावरलिफ्टिंग और व्हीलचेयर वॉलीबॉल सहित कई खेलों में हाथ आजमाया था।

वह 228.7 अंक से कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। भारत के पैरालंपिक इतिहास में यह पहली बार है कि दो निशानेबाजों ने एक ही स्पर्धा में पदक जीते हैं। एसएच 1 वर्ग में वे खिलाड़ी होते हैं जिनकी बाजुओं, कमर के निचले हिस्से , पैरों में विकृति होती है या उनकी बाजू नहीं होती है ।

भाद्रपद कृष्णा - 13 · संवत 2081 · वर्ष - 20 · अंक - 39 · पृष्ठ - 8 · रु. 5/- · बेंगलूरु » शनिवार » 31-08-2024 · www.dakshinbharat.com · Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

2 पत्र लिखना बंद कर सवालों के जवाब दीजिए : भाजपा ने ममता बनर्जी से कहा

6 यौन दुष्कर्म पर छलका राष्ट्रपति का दर्द

7 चिराग पासवान और मोदी कभी अलग हो ही नहीं सकते : चिराग

फर्स्ट टेक

पीएसआई भर्ती परीक्षा स्थगित करने पर विचार करेंगे : कर्नाटक के गृह मंत्री

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि वह 22 सितंबर को होने वाली यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा और पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा की तारीख एकसाथ पड़ने के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी मांगेंगे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग से पहले पीएसआई परीक्षा की तिथि घोषित कर दी थी, लेकिन इस बिंदु पर विचार किया जाएगा। परमेश्वर ने कहा, हम देखेंगे। हम इसकी समीक्षा करेंगे। हमने पहले ही तिथि घोषित कर दी है। अगर कोई संभावना है या अगर हमें (उम्मीदवारों से) और ज्ञापन मिलता है, तो हम इस पर (पीएसआई परीक्षा स्थगित करने पर) विचार कर सकते हैं।

इजरायल ने हमास सेल प्रमुख हाजेम को मारा

कीव/एजेन्सी। इजरायली सशस्त्र बलों ने वेस्ट बैंक में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान जेनिन में हमास सेल के प्रमुख वासेम हजेम को मार डाला। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर लिखा, पिछले कुछ घंटों में उत्तरी सामरिया क्षेत्र में आईडीएफ, आईएसए और इजरायल सीमा पुलिस के आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान बलों ने जेनिन में हमास आतंकवादी संगठन के प्रमुख वासेम हाज़ेम के नेतृत्व में एक वाहन में एक आतंकवादी सेल की पहचान की। इज़राइल सीमा पुलिस बलों ने सटीक आईएसए खुफिया जानकारी के बाद हुए हाजेम को मार गिराया।

यूक्रेनी सेना ने एफ-16 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि की

कीव/एजेन्सी। यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने गुरुवार को पुष्टि किया कि यूक्रेन में लड़ाई के दौरान एक एफ-16 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जनरल स्टाफ ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि लड़ाई में शामिल एफ-16 लड़ाकू विमानों ने चार मिसाइलों को नष्ट कर दिया और अगले लक्ष्य के करीब पहुंचते समय एक विमान का संपर्क टूट गया। उन्होंने घटना की तारीख बताए बिना बयान में कहा कि बाद में पता चला कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और पायलट की मौत हो गई। यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय का विशेष आयोग दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल का अवलोकन कर रहा है। इससे पहले दिन में, यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि पायलट ओलेक्सी मेस 26 अगस्त को यूक्रेन पर रूसी हमले को नाकाम करते समय मारा गया।

सूर्यास्त 30-08-2024	सूर्योदय 01-09-2024
6:31 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
82,365.77 (+231.16)	25,235.90 (+83.95)

सोना	चांदी
7,531 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	86,409 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घाटी के दुश्मन

दहशतगर्दों के चक्कर में,
है परेशान सारा सूबा।
अलगाववादियों का रुख ही,
घाटी वालों को ले डूबा।
नेताओं की खुदगर्जी से,
कश्मीरी जनमन भी ऊबा,
धारा पर उलझे उमर मियां,
गफलत में दिखती महबूबा।।

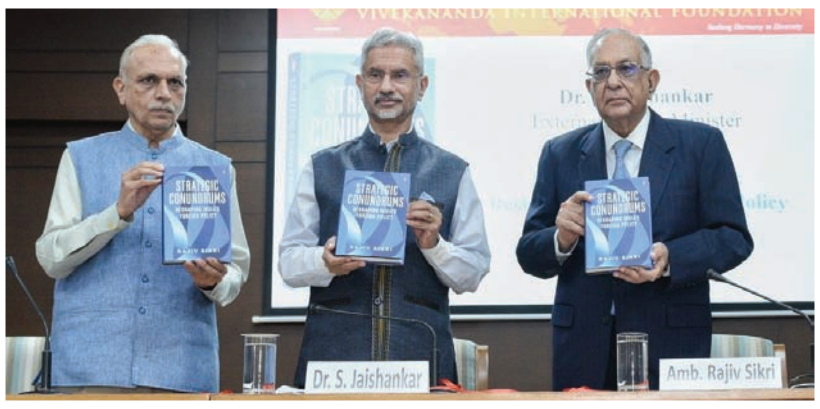

पाकिस्तान के साथ निर्बाध संवाद का कालखंड समाप्त हो चुका है : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत 'निष्क्रिय नहीं' है और घटनाएं सकारात्मक हों या नकारात्मक, भारत प्रतिक्रिया देगा।

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध संवाद का कालखंड अब समाप्त हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत 'निष्क्रिय नहीं' है और घटनाएं सकारात्मक हों या नकारात्मक, भारत प्रतिक्रिया देगा।

जयशंकर ने यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह में यह भी कहा कि दुनिया में किसी भी देश के लिए पड़ोसी हमेशा 'पहेली' होते हैं और बड़ी महाशक्तियां भी ऐसी होती हैं। उन्होंने कहा कि प्रमुख महाशक्तियां 'पहेली' होती हैं क्योंकि वे बड़ी हैं, क्योंकि उनके हित व्यापक हैं। उनके पास हमेशा एक एजेंडा होगा, जो हमारे एजेंडा से 'ओवरलैप' होगा, लेकिन अलग-अलग कोणों पर, भिन्न भी होगा। जयशंकर ने कहा कि चीन के मामले में आपकी पहेली दोहरी है क्योंकि वह पड़ोसी है और बड़ी महाशक्ति भी है। उन्होंने कहा कि इसलिए, चीन के साथ चुनौतियां इस दोहरी परिभाषा में फिट बैठती हैं।

पूर्व राजनयिक राजीव सीकरी की किताब 'स्ट्रेटेजिक कनन्ड्रम: रिशेपिंग इंडियाज फॉरेन पॉलिसी' में भारत के पड़ोसी देशों के साथ उसके संबंधों और संलग्न चुनौतियां के बारे में बात की गई है। जयशंकर ने यह भी कहा कि पड़ोस में दक्षेस और बिम्सटेक के बारे में बहस हो रही है और ''आप सभी अंतर समझते हैं''।

पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों पर उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध संवाद का कालखंड समाप्त हो गया है। कार्रवाइयों के परिणाम होते हैं और जहां तक जम्मू कश्मीर की बात है, मुझे लगता है कि (अनुच्छेद) 370 हो चुका है। इसलिए आज यह मुद्दा है कि हम पाकिस्तान के साथ संभवत: किस तरह के संबंधों पर विचार कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं यह कहना चाहता हूं कि हम निष्क्रिय नहीं हैं, और घटनाएं सकारात्मक दिशा में हों या नकारात्मक दिशा में, हम प्रतिक्रिया देंगे।''

अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि सामाजिक स्तर पर दरअसल जनता के बीच मजबूत संबंध हैं और भारत के लिए निश्चित रूप से सद्भावना है।

सरकार वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए नीतिगत स्तर पर विभिन्न कदम उठा रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत स्तर पर विभिन्न कदम उठा रही है। मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों में 31 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हुआ है। 'एंजल टैक्स' को समाप्त करना भी इस क्षेत्र की वृद्धि की दिशा में एक कदम है। उन्होंने नियामकों से साइबर धोखाधड़ी की जांच के लिए अतिरिक्त उपाय करने को कहा, जिसका स्टार्टअप पर बुरा असर हो सकता है।

एंजल कर (30 प्रतिशत से अधिक की दर से आयकर) का मतलब वह आयकर है जो सरकार गैर-सूचीबद्ध कंपनियों या स्टार्टअप द्वारा जुटाई गई धनराशि पर लगाती है...यदि उनका मूल्यांकन कंपनी के उचित बाजार मूल्य से अधिक है।

प्रधानमंत्री पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और फिनटेक कन्वर्जेंस काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2024 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नियामकों से साइबर धोखाधड़ी रोकने तथा लोगों की डिजिटल समझ बढ़ाने के लिए और कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, '' वित्तीय सेवाओं के लोकतंत्रीकरण में वित्तीय प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।'' मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि इससे भारतीयों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीयों द्वारा वित्तीय प्रौद्योगिकी को जितनी तेजी से तथा जिस व्यापक स्तर पर अपनाया गया है...दुनिया में कहीं ऐसा देखने को नहीं मिला। मोदी ने कहा कि भारत में वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र द्वारा लाया गया बदलाव केवल प्रौद्योगिकी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सामाजिक प्रभाव दूरगामी है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वित्तीय प्रौद्योगिकी ने समानांतर अर्थव्यवस्था को चोट दी और यह वित्तीय सेवाओं के मोर्चे पर गांवों तथा शहरों के बीच की खाई को पाट रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने 31 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश आकर्षित किया है और 'फिनटेक' स्टार्टअप में 500 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार फिनटेक क्षेत्र की सहायता के लिए नीतिगत स्तर पर सभी आवश्यक बदलाव कर रही है और उन्होंने एंजल टैक्स को खत्म करने, देश में शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए एक लाख करोड़ रुपए आवंटित करने और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम को लागू करने का उदाहरण दिया।

छत्रपति की प्रतिमा गिरने पर मोदी
मैं शिवाजी महाराज के चरणों में मस्तक रखकर माफी मांगता हूं

पालघर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के तटीय सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने को लेकर भारत के इस वीर सपूत के साथ ही, इस घटना से आहत लोगों से भी शुक्रवार को माफी मांगी। महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76,000 करोड़ रुपए की लागत वाली वधावन बंदरगाह परियोजना की आधारशिला रखने के बाद मोदी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज... मेरे लिए सिर्फ नाम नहीं हैं, हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज आराध्य देव हैं। पिछले दिनों सिंधुदुर्ग में जो हुआ, आज मैं सिर झुकाकर मेरे आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज जी के चरणों में मस्तक रखकर माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, ''हमारे संस्कार अलग हैं। हम वह लोग नहीं हैं जो आए दिन भारत मां के महान सपूत, इसी धरती के लाल वीर सावरकर को अनाप-शनाप गालियां देते रहते हैं, अपमानित करते रहते हैं, देशभक्तों की भावनाओं को कुचलते हैं।'' उन्होंने कहा कि वे लोग वीर सावरकर को गालियां देने के बाद भी माफी मांगने को तैयार नहीं हैं और ना ही उनको कोई पश्चाताप होता है।

अफगानिस्तान के 28 नागरिकों को जर्मनी ने उनके देश वापस भेजा

बर्लिन/एपी। जर्मनी ने अफगानिस्तान के नागरिकों को शुक्रवार को उनके देश भेज दिया। जर्मनी ने 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद इस प्रकार का पहला कदम उठाया है। सरकारी प्रवक्ता स्टीफन हेबेस्ट्रेट ने अफगानिस्तान के 28 नागरिकों को दोषी अपराधी बताया, लेकिन उनके अपराधों को स्पष्ट नहीं किया। गृह मंत्री नैन्सी फेजर ने इस कदम को जर्मनी के लिए सुरक्षा का मुद्दा बताया। जर्मनी के तालिबान के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं, इसलिए सरकार को अन्य माध्यमों से काम करना पड़ता है। जर्मन विदेश मंत्री अन्नालेना बेयरबॉक ने अफगानिस्तान में तालिबान शासन में महिलाओं के साथ व्यवहार की आलोचना करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया था। हालांकि हेबेस्ट्रेट ने कहा कि अफगानिस्तान नागरिकों को उनके देश भेजे जाने की प्रक्रिया महीनों से जारी थी, लेकिन यह कदम सोलिंगन में चाकू से हमले की घटना के एक सप्ताह बाद उठाया गया। उक्त हमले का संदिग्ध एक सीरियाई नागरिक है जिसने जर्मनी में शरण के लिए आवेदन किया था। संदिग्ध को पिछले साल बुल्गारिया भेजा जाना था, लेकिन वह कुछ समय के लिए कथित तौर पर गायब हो गया।

बेटियों-महिलाओं के मन में डर राष्ट्रीय चिंता का विषय : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति के बस बहुत हुआ के आह्वान को आत्मसात करने की अपील करते हुए कहा है कि समान आचार संहिता महिलाओं के लिए न्याय का एक उपाय होगा।

धनखड़ ने शुकवार को दिल्ली विश्वविद्यालय भारती महिला महाविद्यालय में विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका विषय पर छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों और महिलाओं के मन में डर एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, जहां महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं महसूस करतीं, वह समाज सभ्य नहीं है। वह लोकतंत्र भी धूमिल हो जाता है। यह हमारे विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने वित्तीय स्वतंत्रता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनना चाहिए। यह ऊर्जा और क्षमता को उजागर करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, लड़कियां हमारे देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सेदार हैं। वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि अर्थव्यवस्था और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। लिंग आधारित असमानताओं को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा, क्या हम कह सकते हैं कि आज लिंग आधारित असमानता नहीं है? समान योग्यता के बावजूद भिन्न वेतन, बेहतर योग्यता के बावजूद समान अवसर नहीं। यह मानसिकता बदलनी चाहिए।

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के सदस्य देशों ने सचिवालय हेतु समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल तथा मालदीव, मॉरीशस एवं श्रीलंका के प्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा सदस्य देशों के सामने मौजूद सीमापार खतरों एवं साझा चुनौतियों के समाधान वास्ते कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन सचिवालय स्थापित करने के लिए शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (सीएससी) में भारत, श्रीलंका, मालदीव और मॉरीशस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) एवं उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल हुए।

इसका संबंध समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-निरोधक और साइबर सुरक्षा से है, जहां भारत ने हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक चिंताएं सामने रखी हैं।

यहां भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (सीएससी) सचिवालय की स्थापना के लिए मालदीव, मॉरीशस और श्रीलंका के प्रतिनिधियों के साथ चार्टर और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है तथा चार्टर एवं समझौता ज्ञापन पर यह हस्ताक्षर कार्यक्रम सीएससी रोडमैप में एक मील का पत्थर है।''

उच्चायोग ने 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें भी डालीं। कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के संयुक्त बयान में कहा गया है कि इस सम्मेलन के सदस्य देशों ने ''30 अगस्त, 2024 को सीएससी सचिवालय की स्थापना के लिए चार्टर एवं समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।''

जेपीसी ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जनता से सुझाव मांगे

नई दिल्ली/एजेन्सी। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 संबंधी संयुक्त संसदीय समिति ने जन सामान्य से इस विधेयक के संबंध में उनके विचार और सुझाव देने का अनुरोध किया है।

संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष लोकसभा सदस्य जगदंबिका पाल ने 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' के व्यापक प्रभावों पर विचार करते हुए इस संबंध में सामान्य रूप से जनता और विशेष रूप से गैर-सरकारी संगठनों/विशेषज्ञों/हितधारकों और संस्थानों से विचार/सुझाव वाले ज्ञापन आमंत्रित करने का निर्णय लिया है।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा में यथा पुरस्थापित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को जांच और प्रतिवेदन के लिए संसद की संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया है। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य हैं।

बांग्लादेश में विद्रोह के दौरान मारे गए थे 1,000 से अधिक लोग

ढाका/एजेन्सी। बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व वाले जन विद्रोह के दौरान 1,000 से ज्यादा लोग मारे गए और 400 से अधिक लोग दृष्टिहीन हो गए थे। देश की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने राजारबाग में केंद्रीय पुलिस अस्पताल का दौरा करने के बाद स्थानीय मीडिया से बातचीत के दौरान विरोध प्रदर्शन में हताहतों की संख्या के बारे में बताया। ह्यूमन राइट्स सपोर्ट सोसाइटी ने कहा कि 21 अगस्त को उसे पीड़ितों के परिवारों, अस्पतालों, प्रत्यक्षदर्शियों और राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों से विरोध प्रदर्शन के दौरान 819 लोगों की मौत की जानकारी प्राप्त हुई थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की 16 अगस्त को प्रकाशित प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में 16 जुलाई से 11 अगस्त के बीच छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के दौरान 650 लोग मारे गए। सुश्री नूरजहां ने कहा कि कई घायल पुलिसकर्मियों का पुलिस अस्पताल में इलाज चल रहा है, कई के पैर और सिर में चोटें आई हैं, लेकिन वे ठीक हो रहे हैं।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भूमिका निभाने तैयार है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने आज फिर कहा कि वह रूस एवं यूक्रेन के बीच संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के उद्देश्य से सभी पक्षों को रचनात्मक, समाधान-उन्मुख और व्यावहारिक संवाद एवं कूटनीति के लिए एक साथ लाने के लिए भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में यूक्रेन संबंधी सवालों के जवाब में कहा , यूक्रेनी पक्ष विभिन्न मामलों पर अपना दृष्टिकोण रखता है और उसे मीडिया के साथ साझा कर रहा है। जहां तक हमारा सवाल है, हम यात्रा के दौरान विचारों के आदान-प्रदान सहित हमारे बीच हुईं द्विपक्षीय चर्चाओं से निर्देशित होंगे। हमारा मानना है कि इसी प्रकार से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की संभावना पर अधिक दूरदर्शी चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने के अलावा मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का मार्ग प्रशस्त होगा।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने कहा, हमने हमेशा इस संघर्ष का बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए सभी पक्षकारों के साथ रचनात्मक, समाधान-उन्मुख और व्यावहारिक जुड़ाव की वकालत की है। यह रूस और यूक्रेन दोनों तक हमारी उच्चतम स्तर पर पहुंच से स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पहले ही शांति के हित में रचनात्मक भूमिका निभाने की भारत की इच्छा का संकेत दे चुके हैं। हालाँकि, इस स्तर पर विशिष्ट तौर-तरीकों और रास्तों पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। शांति वार्ता कब और कैसे शुरू की जाए इसका निर्णय संघर्ष के दोनों पक्षों का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा , मित्र और साझीदार के रूप में हम किसी भी व्यवहार्य और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान या प्रारूप का समर्थन करेंगे जो शांति बहाल कर सके।

'सीएनएन की रिपोर्ट भारत को बदनाम करने वाली'

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने अमेरिकी चैनल सीएनएन पर बांग्लादेश में बाढ़ से संबंधित रिपोर्टों को भ्रामक, तथ्यात्मक रूप से गलत और इरादतन बदनाम करने वाली बताते हुए शुक्रवार को खारिज कर दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गए सवालों पर कहा, हमने बांग्लादेश में बाढ़ की स्थिति पर सीएनएन रिपोर्ट देखी है। इसका वर्णन भ्रामक है और यह बताने की कोशिश की गई है कि बाढ़ के लिए किसी न किसी तरह भारत जिम्मेदार है। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

प्रवक्ता ने कहा कि रिपोर्ट भारत सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट करने के लिए जारी प्रेस विज्ञप्ति में उल्लिखित तथ्यों की अनदेखी करता है। उन्होंने इस बात को भी नजरअंदाज कर दिया है कि जल संसाधन प्रबंधन के लिए मौजूदा संयुक्त तंत्र के माध्यम से दोनों देशों के बीच डेटा और महत्वपूर्ण सूचनाओं का नियमित और समय पर आदान-प्रदान होता है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बारे में सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जैसा कि हमने पहले कहा, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री सुरक्षा कारणों से बहुत कम समय के नोटिस पर भारत आईं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने ऐतिहासिक हिंदुमलकोट चौकी का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को गंगानगर स्थित ऐतिहासिक हिंदुमलकोट चौकी और सीमा क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भारत-पाकिस्तान सीमा की इस महत्वपूर्ण चौकी से सरहद क्षेत्र का अवलोकन करते हुए वहां तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से संवाद भी किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, बागड़े ने विपरीत परिस्थितियों में भी रात-दिन देश की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए जवानों की सराहना की।

बागड़े ने हिंदुमलकोट चौकी पर तैनात जवानों से संवाद करते हुए सीमा की चौकसी से जुड़ी चुनौतियों और अन्य रक्षा मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने जवानों में जोश जगाते हुए उनके जज्बे और हौसले की सराहना करते हुए कहा, आप सभी केवल देश के सुरक्षा प्रहरी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता और एकता के प्रतीक हैं। राज्यपाल ने बीएसएफ के जवानों द्वारा चौकी पर किए गए सौंदर्यीकरण कार्य, 'हेरिटेज वॉल' और हरे-भरे परिसर के कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने वहां युद्ध संबंधी संग्रहालय (वार म्यूजियम) भी देखा।

उन्होंने हिंदुमलकोट गांव के प्राचीन अवशेषों और ऐतिहासिक महत्व से जुड़ी इमारतों को देखा। उन्हें बताया गया कि विभाजन से पहले यह क्षेत्र बड़ा व्यापारिक केंद्र था। बागड़े ने बाद में वहां पर आंतरिक सुरक्षा समन्वय बैठक भी बुलाई। उन्होंने इस दौरान हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत पकड़े जाने वाले मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की चर्चा करते हुए कहा कि देश की सीमाओं पर चौकसी जितनी जरूरी है, उतना ही आवश्यक यह है कि हमारे यहां आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को रोका जाए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि बीएसएफ और पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से सीमा पार से ड्रोन द्वारा हेरोइन और अन्य चीजों को भेजने से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखे। राज्यपाल ने कहा कि सुरक्षाकर्मी स्थानीय लोगों से सतत संपर्क में रहते हुए आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से बाधक चीजों के प्रति सजग सजग रहें।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने रैवासा धाम के पीठाधीश्वर राघवाचार्य के निधन पर शोक जताया

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अन्य नेताओं ने रैवासा धाम के पीठाधीश्वर संत राघवाचार्य महाराज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सीकर जिले के रैवासा धाम के पीठाधीश्वर महंत राघवाचार्य का शुक्रवार सुबह निधन हो गया है। राजभवन के बयान के अनुसार, राज्यपाल बागड़े ने अपने शोक संदेश में कहा कि वेद वांग्मय और संस्कृत के साथ सनातन भारतीय संस्कृति के प्रसार के लिए राघवाचार्य महाराज का योगदान सदा याद किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि राघवाचार्य महाराज का देवलोक गमन अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, रैवासा पीठाधीश्वर पूज्य संत राघवाचार्य जी महाराज आज हमारे बीच नहीं हैं, यह सोचकर ही मन बहुत व्यथित है। उनका जाना सनातन धर्म के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए चले आंदोलन से उनका गहरा जुड़ाव रहा, इस निमित्त वे जेल भी गए। उन्होंने कहा कि वे संस्कृत भाषा और वेद-वेदांग के उच्च कोटि के विद्वान थे तथा धर्म-अध्यात्म के साथ-साथ समाज हित से जुड़े कार्यों के लिए आजीवन समर्पित रहे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अनेक नेताओं ने संत राघवाचार्य के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

मर्यादा और अनुशासन आज की आवश्यकता : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मर्यादा और अनुशासन को संयमित जीवन के मूल आधार बताते हुए कहा है कि वर्तमान में समाज में सदभावना बनाये रखने के लिए यह आवश्यक है और मानव जीवन को ऊंचाइयों पर ले जाने वाली मर्यादा एवं अनुशासन की अखण्ड ज्योति को निरन्तर प्रज्वलन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को इन दोनों गुणों को आचरण में लाना होगा।

देवनानी शुक्रवार को यहां रामनिवास बाग स्थित साधना प्रज्ञापीठ, जयाचार्य स्मारक पर जयाचार्य के 144वें निर्वाण दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने इस मौके पर जयाचार्य स्मारक पर भावांजलि अर्पित की। उन्होंने मुनितत्वरुचि तरूण के प्रवचन सुने और उनसे आशीर्वाद भी लिया। उन्होंने कहा कि एक गुरु एक विधान परम्परा के तहत तेरापंथ संघ ने एक प्रखर नेतृत्वकर्ता, अनुशासनप्रिय, दर्शन एवं चिंतन के सफल भास्यकार, साहित्यकार और दूरदृष्टा के क्रतित्त्व एवं व्यक्तित्व से नवीन ऊचाईयां प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि आज के अस्थिरता पूर्ण वातावरण में एक आचार्य के नेतृत्व में सैंकडों साधु साध्वियों द्वारा उपासना करना एवं श्रावक समाज द्वारा उन मूल्यों को अपनाना आश्चर्यजनक है। निज पर शासन फिर अनुशासन के मंत्र का अनुसरण करते हुए जैन समाज राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। भारत के इतिहास में जैन समाज द्वारा सदैव अहिंसा को प्राथमिकता दी गई है। वर्तमान के तनावपूर्ण वैश्विक वातावरण में अंहिसा विश्व में शांति का संदेश दे सकता है।

देवनानी ने कहा कि जैन दर्शन का भरत के स्वतन्त्रता आंदोलन में योगदान रहा है। उन्होंने महाराणा प्रताप के स्वराज प्राप्ति में कोष उपलब्ध कराने वाले जैन अनुयायी आमाशाह और सन 1857 की क्रान्ति में रानी लक्ष्मीबाई को धन सहायता प्रदान करने वाले अमरचन्द बाठिया का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अनेक जैन साहित्यकार और पुरातत्ववेत्ताओं ने राजस्थान के समृद्ध इतिहास, कला, संस्कृति और पुरातत्व महत्व के भवनों को सहजकर रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सादगी, तपस्या, समानता, शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में तेरापंथी जैन समाज द्वारा दिये गये योगदान को आने वाली पीढिया भी याद रखेंगी। देवनानी ने कहा कि असहिष्णुता और असमानता जैसी विकृतियां समाज से समाप्त करने में सभी को सक्रिया भागीदारी निभानी होगी ताकि सभी लोग जीओ और जीने दो के सिद्धान्त पर जीवन जी सके। समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का संदेश भी पढ़कर सुनाया गया।

मुंबई में 'राइजिंग राजस्थान' रोड शो

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पेश की विकास की व्यापक योजनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/जयपुर। राजस्थान सरकार ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक भव्य रोड शो का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य राज्य के विकासात्मक अवसरों और निवेश संभावनाओं को प्रमुख रूप से उजागर करना था। इस आयोजन के बाद, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मीडिया से बातचीत की और राजस्थान की आर्थिक प्रगति के लिए आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रेस कांफ्रेंस का आगाज राजस्थान के चीफ सेक्रेट्री सुधांश पंत ने किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, मुख्यमंत्री सचिवालय के एसीएस शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेट्री अजिताभ शर्मा मौजूद थे।

प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि राजस्थान सरकार ने विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों जैसे अक्षय ऊर्जा, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, सीमेंट, और पर्यटन में 4.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की योजना बनाई है। इस निवेश का उद्देश्य राज्य को एक समृद्ध और विकसित प्रदेश बनाना है, जो भारत के प्रमुख आर्थिक केंद्रों में शामिल हो सके।

शर्मा ने आगामी 5 वर्षों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए, राज्य सरकार ने व्यापक योजनाएं बनाई हैं और निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लक्ष्य राज्य के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने 25 आईएएस अधिकारियों को नियुक्त किया है जो विश्व के प्रमुख देशों और भारत के बड़े शहरों में निवेशकों के साथ नियमित संपर्क में रहेंगे। इन अधिकारियों का मुख्य कार्य निवेशकों की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें राज्य में निवेश के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि निवेशक अपनी समस्याओं का समाधान त्वरित रूप से प्राप्त कर सकें और राज्य में निवेश करने में कोई कठिनाई न हो।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों और कॉर्पोरेट जगत की हस्तियों को 9-11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस समिट का उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने इस समिट को राजस्थान के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और सभी को इस अवसर का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया।

उद्योग और पर्यटन में संभावनाएं : मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य की विविध संभावनाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिसमें उद्योग, कृषि, पर्यटन और वन उत्पाद शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं और सरकार इन संभावनाओं को साकार करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि और उद्योग के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं बनाई गई हैं। इन योजनाओं में आरसीपी योजना, यमुना समझौता और इंदिरा गांधी नहर के सुधार शामिल हैं। ये योजनाएं न केवल कृषि को लाभान्वित करेंगी बल्कि उद्योग और पर्यटन के लिए भी पानी की आवश्यकताओं को पूरा करेंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य ने निवेश के लिए विभिन्न स्थानों की पहचान की है और उद्योगपतियों को आमंत्रित किया है कि वे राजस्थान में निवेश करें। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार की ईमानदारी और इच्छा शक्ति से राज्य की योजनाएं सफल होंगी और राजस्थान का भविष्य उज्ज्वल होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि निवेशकों की सफलता और उनके मन की कल्पना को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उनका दृढ़ विश्वास है कि राजस्थान जल्द ही विकास की ऊंचाइयों को छुएगा और निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनेगा।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने पेरिस पैरालंपिक में पदक विजेताओं को बधाई दी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे. और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेरिस पैरालंपिक में भारत को पदक दिलाने वाली राजस्थान की दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी है। राज्यपाल बागडे. ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारतीय निशानेबाज अवनि लेखरा के स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

उन्होंने जयपुर की इस स्टार पैरा शूटर पर गर्व जताते हुए कहा कि अवनि ने विश्व भर में भारत को गौरवान्वित किया है।

बागडे. ने भारत की ही मोना अग्रवाल के कांस्य पदक जीतने पर भी प्रसन्नता जताते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इन दोनों की जीत महिला शक्ति की विजय है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर लिखा राजस्थान की दो बेटियों ने रचा नया इतिहास।

उन्होंने कहा, पेरिस पैरालंपिक 2024 की शूटिंग प्रतियोगिता में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में राजस्थान की बिटिया अवनि लेखरा को स्वर्ण पदक व मोना अग्रवाल को कांस्य पदक जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

राजस्थान में मानसून कमजोर पड़ा

जयपुर। राजस्थान में मानसून पिछले कुछ दिनों में कमजोर हुआ है जहां बीते चौबीस घंटे में सिरोही व गंगानगर सहित कई जिलों में मध्यम दर्जे की बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक, बीते 24 घंटों में पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं पर तथा पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर बादलों की गरज के साथ वर्षा हुई। इस दौरान सबसे अधिक, 48 मिलीमीटर बारिश हनुमानगढ़ के ढाबां में और 44.4 मिलीमीटर बारिश माउंट आबू में हुई। अलवर, बाड़मेर, उदयपुर और डूंगरपुर जिले में कई जगह बारिश हुई। इस दौरान सर्वाधिक 35.6 डिग्री सेल्सियस तापमान फलौदी में दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार, मानसून अगले सप्ताह फिर जोर पकड़ सकता है।

महिला को पेड़ से बांध कर मारपीट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के सांचौर जिले के बागोड़ा थाना क्षेत्र में रक्षाबंधन के दिन एक महिला को पेड़ से बांध कर कथित मारपीट करने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी अरूण कुमार ने बताया कि नरसाणा गांव में रक्षाबंधन के दिन एक महिला को पेड़ से बांधकर उसके रिश्तेदारों द्वारा मारपीट किए जाने का वीडियो बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि महिला की ओर से इस संबंध में बृहस्पतिवार को मामला दर्ज करवाया गया और मारपीट करने वाले महिला के रिश्तेदार मंगलाराम और हीराराम को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ से पता चला कि उन्हें महिला द्वारा गलत काम किए जाने का संदेह था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के आरोप में बूंदी नगर परिषद की अध्यक्ष निलंबित

कोटा। बूंदी नगर परिषद की अध्यक्ष मधु नुवाल को बृहस्पतिवार को पद का दुरूपयोग करके सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने तथा परिषद के अन्य कर्मचारियों के साथ साजिश कर अनुचित लाभ लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। स्थानीय स्वशासन विभाग के निदेशक एवं संयुक्त सचिव के आदेश के बाद उन्हें वार्ड पार्षद के पद से भी निलंबित कर दिया गया। नुवाल ने अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जिस जमीन पर विवाद चल रहा है, वह कभी भी उनके या उनके पति के नाम पर नहीं रही। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप और निलंबन उनके प्रतिद्वंद्वियों द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई है।

सेवानिवृत्ति समारोह श्रेष्ठ परम्परा, इसे बनाए रखें : देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधान सभा में कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारी सौभाग्यशाली होते है। लोकतंत्र के इस मंदिर में काम करने का मौका कुछ लोगों को ही मिल पाता है। लोकतंत्र के इस पवित्र स्थल पर मनोभाव और सकारात्मक दृष्टि से काम करके निष्ठावान होने का परिचय दे। विधान सभा का प्रत्येक कर्मी सहभागिता से कार्य करें। संस्था के हित के लिए सामूहिक प्रयास करें। अपनी श्रेष्ठ क्षमताओं का उपयोग राष्ट्र के विकास में करें।स्पीकर देवनानी शुक्रवार को यहां विधान सभा में वरिष्ठ उप सचिव श्रीकृष्ण की अधिवार्षिकी आयु प्राप्त करने पर आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने श्रीकृष्ण का साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा की गरिमा है। यहां कार्य करने वाले प्रत्येक कर्मी की कार्यशैली विशिष्ट एवं प्रभावशाली होनी चाहिए। विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा ने स्वागत उद्बोधन किया। उन्होंने कहा कि राजकीय कार्य प्रसन्नता पूर्वक धैर्य के साथ करने चाहिए। विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा ने भी समारोह को सम्बोधित किया। सेवानिवृत्त हुए श्रीकृष्ण ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किये।

प्राकृतिक खेती के लिए 5 हजार वर्मी कंपोस्ट इकाई की जाएंगी स्थापित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आधुनिक युग में खेती में रासायनिक खादों का अंधाधुंध प्रयोग हो रहा है। जिससे मृदा की उर्वरकता में कमी आ रही है। मृदा की उर्वरकता को बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा वर्मी कंपोस्ट इकाई निर्माण की शुरुआत की गई है। इससे मृदा की जैविक व भौतिक स्थिति में सुधार लाया जा सकेगा। इससे मृदा की उर्वरकता एवं पर्यावरण संतुलन बना रहेगा।

रासायनिक उर्वरकों से खेती की बढ़ती हुई लागत को कम करने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पारंपरिक खेती की ओर किसानों का रुझान बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा जैविक खेती को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिससे फसलों को उचित पोषण मिलने पर उनकी पूर्ण वृड्ड्ड्धि होगी एवं किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। कृषि आयुक्त कन्हैयालाल स्वामी ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट इकाई लगाने के लिए किसानों को इकाई लागत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 50 हजार रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5 हजार वर्मी कंपोस्ट इकाई लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कृषि आयुक्त ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट इकाई लगाने के लिए किसान के पास एक स्थान पर न्यूनतम कृषि योग्य 0.4 हैक्टेयर भूमि का होना आवश्यक है। कृषक राज किसान साथी पोर्टल या नजदीकी ई- मित्र केंद्र पर जाकर जन आधार के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए कृषक के पास न्यूनतम 6 माह पुरानी जमाबंदी होना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि जैविक खेती कम खर्च में उत्पादन बढ़ाने का साधन है। जैविक खाद द्वारा मिट्टी के साथ मनुष्य की सेहत भी दुरुस्त रहती है। ऑर्गेनिक फार्मिंग से मिट्टी की संरचना बेहतर रहती है और पर्यावरण को भी लाभ होता है। इससे मिट्टी में जीवाणुओं की संख्या और भूजल स्तर भी कायम रहता है।

शासन सचिवालय में कबड्डी,रूमाल झपट्टा एवं रस्साकशी की प्रतियोगिता का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 119वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्मिक विभाग के तत्वाधान में शुक्रवार को शासन सचिवालय परिसर में कबड्डी,रूमाल झपट्टा एवं रस्साकशी की प्रतियोगिता एवं खेल गतिविधि का आयोजन किया गया। मेजर ध्यानचन्द जयंती के अवसर पर शासन सचिवालय परिसर में राजस्थान सचिवालय अधिकारी सेवा संघ के अध्यक्ष श्री दलजीत सिंह, श्री मुकेश सिंघल एवं श्री चेतन शर्मा ने पौधरोपण भी किया । इस अवसर पर सभी खिलाड़ियो द्वारा ''फिट इंडिया'' की शपथ ली गई। इस दौरान खेल प्रतियोगिता रूमाल झपटटा में ''बालगंगाधर तिलक'' महिला टीम, रस्साकशी में ''लाला लाजपतराय'' पुरूष टीम एवं ''रानी लक्ष्मीबाई'' महिला टीम एवं कबडडी में ''भगत सिंह'' पुरूष टीम को विजेता घोषित किया गया । इस मौके पर सभी टीमों द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन किया गया ।

इस अवसर पर कार्मिक विभाग के संयुक्त शासन सचिव श्री नरेन्द्र कुमार बंसल, खेल अधिकारी एवं पूर्व अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी सुश्री मालती चौहान एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी श्रीमती निर्मलेश माथुर भी मौजूद रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भाजपा आलाकमान मुझे निशाना बना रहा; कांग्रेस सरकार को करना चाहते हैं अस्थिर : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके गठबंधन सहयोगी जनता दल सेक्युलर पर राज्य की कांग्रेस सरकार को 'अस्थिर' करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने साथ ही एक बार फिर स्पष्ट किया कि उन्होंने कथित 'मुडा घोटाले' में ऐसा कुछ भी गलत नहीं किया जिसकी वजह से पद से इस्तीफा देना पड़े। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा उनकी सरकार को गिराने के लिए अभी भी 'ऑपरेशन कमल' का प्रयास कर रही है लेकिन वे अपने प्रयासों में सफल नहीं होंगे।

कथित एमयूडीए घोटाले को लेकर भाजपा सिद्दरामय्या से इस्तीफा देने की मांग कर रही है। इस बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, वे मेरा इस्तीफा क्यों मांग रहे हैं? क्या उनके मांगते ही इस्तीफा दिया जा सकता है? सिर्फ इसलिए कि विजयेंद्र (भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष) इस्तीफा मांग रहे हैं, क्या इस्तीफा दिया जा सकता है? फिर मैं विजयेंद्र से उनकी पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को कहूंगा, क्या वह मानेंगे?

यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा,कल (अदालत में) बहस होगी, देखते हैं उच्च न्यायालय क्या फैसला करता है। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। वह राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी को चुनौती देने संबंधी उनकी याचिका पर अदालत में सुनवाई के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। सिद्दरामय्या ने भाजपा आलाकमान पर उन्हें निशाना'' बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'भाजपा और जद (एस) मिलकर हमारी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं।'

भाजपा मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूखंड आवंटन घोटाले' के सिलसिले में सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग कर रही है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत कार्यकर्ता प्रदीप कुमार एस पी, टी जे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की अर्जियों में उल्लिखित कथित अपराधों में अभियोग चलाने की मंजूरी दी। सिद्दरामय्या ने 19 अगस्त को राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया।

सिद्दरामय्या ने कहा कि सभी कांग्रेस विधायक और सांसद कल राज्यपाल से मिलेंगे और उनसे जद(एस)नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी तथा भाजपा के पूर्व मंत्रियों शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी, ङ्कङ्कजी जनार्दन रेड्डी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी के लिए लंबित अनुरोधों पर कार्रवाई का अनुरोध करेंगे। मंड्या से कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा (रवि गनीगा) ने दावा किया है कि भाजपा 'ऑपरेशन कमल' के तहत कांग्रेस विधायकों को 100 करोड़ रुपये की पेशकश कर रही है। इस बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, रवि गनीगा ने यह कहा है, उन्होंने हमें बताया है कि यह सच है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल राज्य में कभी भी जनता के आशीर्वाद से सत्ता में नहीं आया, वे हमेशा ऑपरेशन कमल' पर निर्भर रहे हैं फिर चाहे वह 2008 हो या 2019।

सिद्दरामय्या ने कहा, वे हमेशा सत्ता में आने के लिए ऑपरेशन कमल पर निर्भर रहे हैं, वे कब अपने दम पर बहुमत के साथ सत्ता में आए हैं? वे हमेशा पिछले दरवाजे से सत्ता में आए हैं। अब भी वे कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम (कांग्रेस के) 136 (विधायक) हैं, यह आसान नहीं है, क्योंकि उन्हें (सफल होने के लिए) लगभग 60 विधायकों का इस्तीफा सुनिश्चित करना होगा। हमारा कोई भी विधायक पैसे की लालच में नहीं फंसेगा।

'ऑपरेशन कमल'का इस्तेमाल भाजपा द्वारा विरोधी विधायकों को अपने पक्ष में करने तथा अपनी सरकार बनाने और उसकी स्थिरता सुनिश्चित करने के कथित प्रयास के संदर्भ में किया जाता है।

चन्नपटना से मैं हूं उम्मीदवार, चाहे कोई भी लड़े चुनाव : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चन्नपटना। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को दोहराया कि वे चन्नपटना उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे, चाहे उनकी पार्टी के टिकट पर यहां से कोई भी चुनाव लड़े। रामनगर जिले में यह निर्वाचन क्षेत्र जद (एस) के वरिष्ठ नेता एचडी कुमारस्वामी द्वारा राजग उम्मीदवार के रूप में मांड्या लोकसभा चुनाव जीतने और केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री बनने के बाद विधानसभा से इस्तीफा देने के कारण रिक्त हुआ था।

शिवकुमार ने शहर के सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, 'मैं ही बी-फॉर्म जारी करता हूं और मैंने ही इस पर हस्ताक्षर किए हैं। इसलिए यह वोट मेरा है, चाहे कोई भी चुनाव लड़े।' चूंकि कांग्रेस उपचुनाव में भाजपा और जद (एस) के संयुक्त विपक्ष से मुकाबला करेगी, इसलिए शिवकुमार ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसने हाथ मिलाया है। यह पूछे जाने पर कि क्या वे भाजपा एमएलसी सीपी योगेश्वर के कांग्रेस में शामिल होने में रुचि दिखाने पर स्वागत करेंगे, उन्होंने कहा कि किसी ने उनसे संपर्क नहीं किया है और इस तरह का प्रस्ताव उनके सामने नहीं आया है। बता दें कि चन्नपटना जद (एस) का गढ़ माना जाता है। कुमारस्वामी साल 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के मांड्या लोकसभा चुनाव में यहां से जीते थे। कांग्रेस जद (एस) से यह सीट छीनने की पुरजोर कोशिश कर रही है।

विस्तार

तुमकुर रेलवे स्टेशन को सुक्षेत्र सिद्धगंगा मठ के मॉडल पर बनाया जाएगा। रेल मंत्री सोमन्ना, जो तुमकुर सांसद भी हैं, ने बताया है कि मल्टी लेवल पार्किंग, यात्री लाउंज, अलग प्रवेश और निकास द्वार और फ्लैट फार्म का विस्तार होगा।

कांग्रेस द्वारा आज 'राजभवन चलो' का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने 31 अगस्त को 'राजभवन चलो' का आह्वान किया है, ताकि राज्यपाल थावरचंद गहलोत को कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण जमीन आवंटन 'घोटाले' में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए 'अवैध आदेश' को मंजूरी देने के बारे में अवगत कराया जा सके।

गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि पार्टी जिला स्तर पर भी आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने 'राजभवन चलो' कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है।' कार्यक्रम के आयोजन के पीछे की परिस्थितियों को स्पष्ट करते हुए परमेश्वर ने कहा कि मंत्रिमंडल पहले ही निर्णय ले चुका है कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण जमीन आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री की जांच और मुकदमा चलाने की अनुमति अवैध थी।

मंत्री ने कहा, 'हमने राज्यपाल को कई साक्ष्य दिए, लेकिन उन्होंने उन पर गौर नहीं किया। इसलिए हम अदालत गए। हमें नहीं पता कि अदालत क्या फैसला करेगी, लेकिन हमें राज्यपाल को भी सूचित करना होगा।' उन्होंने कहा कि चूंकि इस मुद्दे ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है, इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ता शनिवार को प्रदर्शन करेंगे। परमेश्वर ने कहा, 'हम अदालत, सड़क पर लड़ेंगे और राज्यपाल को मनाएंगे।'

मुलाकात

नई दिल्ली में शुक्रवार को भाजपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल में एमएलसी योगेश्वर भी शामिल थे, जो कर्नाटक के चन्नपटना से विधायक टिकट के आकांक्षी हैं ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। तस्वीर में विपक्ष के नेता आर अशोक, पूर्व मंत्री डॉ अश्वथ नारायण और विधायक अरविंद बेलाड भी दिखाई दे रहे हैं।

बेंगलूरु जेल में अभिनेता दर्शन को 'विशेष सुविधा' देने की जांच के तहत कैदियों-अधिकारियों से पूछताछ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने शुक्रवार को कहा कि यहां स्थित परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार की गतिविधियों की जांच के तहत कई कैदियों और अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। यह जांच इस तथ्य के सामने आने के बाद शुरू की गई थी कि अभिनेता दर्शन थुगुदीपा जैसे कुछ कैदियों को जेल में 'विशेष सुविधाएं' मुहैया कराई जा रही थीं। रेणुकास्वामी हत्या मामले में न्यायिक हिरासत के तहत जेल में बंद कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा की बेंगलूरु जेल के 'लॉन' में अपराध के आरोपी एक व्यक्ति सहित तीन लोगों के साथ एक तस्वीर रविवार को सोशल मीडिया पर आई जिससे हंगामा मच गया।

तस्वीर में अभिनेता आराम की मुद्रा में एक कुर्सी पर बैठकर हाथ में सिगरेट और कॉफी का मग लिए नजर आ रहे हैं। जेल से वीडियो कॉल के जरिये एक व्यक्ति से बात करते हुए दर्शन का एक कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया। दयानंद ने कहा, परप्पना अग्रहारा पुलिस थाने में, परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल में विभिन्न गैरकानूनी गतिविधियों के संबंध में तीन मामले दर्ज किए गए हैं। दो मामले वहां के कैदियों पर दर्ज किए गए हैं, जबकि तीसरा मामला जेल अधिकारियों के खिलाफ है।

यहां पत्रकारों से उन्होंने कहा कि तीनों मामलों की जांच बेंगलूरु दक्षिण-पूर्व डिवीजन पुलिस द्वारा की जा रही है। जबकि जेल अधिकारियों के खिलाफ मामले की जांच सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है, अन्य दो की जांच पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

आयुक्त ने कहा कि जेल के अंदर जांच करने के लिए अदालत की अनुमति ली गई और पिछले दो दिनों से जांच जारी है। उन्होंने कहा, जेल से एक और तस्वीर सामने आई है और इसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इसे चल रही जांच के साथ संबद्ध किया गया है। जांच का नेतृत्व दक्षिण-पूर्व क्षेत्र की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सारा फातिमा कर रही हैं और इसकी निगरानी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रमन गुप्ता कर रहे हैं। दर्शन समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बेंगलूरु की एक अदालत ने बुधवार को दर्शन, उनकी मित्र पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य लोगों की न्यायिक हिरासत नौ सितंबर तक बढ़ा दी है। ये सभी रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपी हैं।

चरित्र पर शक के चलते व्यक्ति ने पत्नी की हत्या की

बेंगलूरु। यहां के केंगेरी में एक 'कैब' चालक ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी और पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार कैब चालक की पत्नी आत्मरक्षा के लिए अपने पास एक चाकू रखती थी और आरोपी ने उसी का उपयोग करते हुए इस अपराध को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, शिवमोगा जिले के भद्रावती के किरण और 'कोरियोग्राफर' नव्याश्री (28) बचपन के मित्र थे और बड़े होने पर उन्होंने प्रेम विवाह कर लिया। पुलिस ने बताया कि हाल ही में किरण को अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह होने लगा। पुलिस के अनुसार किरण अपनी पत्नी नव्याश्री के एक पुरुष मित्र के साथ नियमित रूप से फोन पर बात करने के कारण उससे अक्सर झगड़ा करता था। पुलिस के अनुसार नव्याश्री ने अपने पुरुष मित्र से कहा था कि उसका पति कुछ करने की योजना बना रहा है और उसकी जान को खतरा है। पुलिस के अनुसार नव्याश्री के मित्र ने उसे मामले की सूचना पुलिस को देने और सतर्क रहने की सलाह भी दी थी। पुलिस के अनुसार नव्याश्री ने 28 अगस्त को कार में जाते समय अपनी मित्र ऐश्वर्या और सुनील को अपनी आपबीती सुनाई, बाद में ऐश्वर्या के साथ नव्याश्री घर लौट आईं।

30 दिन से अधिक समय से बिल बकाया होने पर बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा

1 सितंबर से सख्त अनुपालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केईआरसी नियमों के अनुसार, बीईएससीओएम उन उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन काट देगा जो बिल प्राप्त करने के 30 दिनों के भीतर अपने बिजली शुल्क का भुगतान करने में विफल रहते हैं या आवश्यक अतिरिक्त सुरक्षा जमा का भुगतान नहीं करते हैं। बेसकॉम 1 सितंबर, 2024 से केईआरसी के इस नियम को सख्ती से लागू करेगा। घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं, अपार्टमेंट और अस्थायी बिजली कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को निर्धारित 30 दिनों के भीतर अपने बिलों का भुगतान सुनिश्चित करना होगा।

ऐसा न करने पर मीटर रीडिंग के दिन कनेक्शन काट दिया जाएगा, जो आमतौर पर हर महीने के पहले 15 दिनों में होता है। बेसकॉम सभी उपभोक्ताओं से किसी भी असुविधा से बचने के लिए समय पर अपने बिलों का भुगतान करने का आग्रह करता है।

वर्तमान में, प्रत्येक महीने के पहले 15 दिनों में मीटर रीडिंग के बाद, मीटर रीडर, लाइनमैन के साथ मिलकर बकाया बिल वाले उपभोक्ताओं के परिसर में जाकर उनकी बिजली आपूर्ति काट देते थे। 1 सितंबर से, लाइनमैन मीटर रीडर के साथ पहले दौरे में ही जाएंगे और बकाया बिल वाले उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति तुरंत काट देंगे।

बिजली बिल का भुगतान बिना ब्याज के नियत तिथि तक करने के लिए 15 दिन की अवधि प्रदान की जाती है। नियत तिथि के बाद ब्याज सहित भुगतान के लिए अतिरिक्त 15 दिन की छूट अवधि उपलब्ध है। हालांकि, अगर बिल का भुगतान नहीं किया जाता है, तो अगले मीटर रीडिंग के दिन बिजली आपूर्ति काट दी जाएगी। यदि बकाया राशि, अतिरिक्त सुरक्षा जमा सहित, 100 रुपये से अधिक है, तो कनेक्शन काट दिया जाएगा।

समर्पण

शुक्रवार को हावेरी के निकट हेग्गेरे केरे को बगिना की पेशकश करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश

तिरुवनंतपुरम। केरल के कई जिलों में शुक्रवार को सुबह भारी बारिश हुई, जिससे विभिन्न हिस्सों में सड़कों पर जलभराव और यातायात जाम हो गया। साथ ही, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सात जिलों के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने राज्य के एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, कोझीकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के लिए दिन के वास्ते ऑरेंज' अलर्ट जारी किया। इसने तिरुवनंतपुरम और कोल्लम को छोड़कर शेष जिलों के लिए येलो' अलर्ट भी जारी किया।

मौसम विभाग देश में मौसम संबंधी अलर्ट जारी करने के लिए चार रंगों का उपयोग करता है। ये रंग और इनके संदेश.... ग्रीन (किसी कार्रवाई की जरूरत नहीं), येलो (नजर रखें और निगरानी करते रहें), ऑरेंज (तैयार रहें) और रेड (कार्रवाई/सहायता की जरूरत) हैं। आईएमडी ने दिन में राज्य के कोल्लम, अलाप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम और इडुक्की जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवा के साथ आंधी-तूफान का अनुमान जताया है। इसके अतिरिक्त, इसने कहा कि तिरुवनंतपुरम, पथनमथिट्टा और त्रिशूर जिलों में मध्यम बारिश और लगभग 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाएं चलने के आसार हैं।

प्रधान ने पीएम श्री योजना के एमओयू पर हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर मुख्यमंत्री स्टालिन को पत्र लिखा

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को पीएम श्री योजना के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर पत्र लिखा।

'पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएम श्री) योजना का लक्ष्य 14,500 स्कूलों का उन्नयन करना है और इससे 18 लाख छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इसका उद्देश्य यह भी सुनिश्चित करना है कि ये स्कूल आदर्श संस्थान के रूप में कार्य करें और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 की भावना को समाहित करें। केंद्र ने पहले चरण में उन्नयन के लिए 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 6,448 स्कूलों का चयन किया है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक) प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058 फोन : 080-28094184, 4196, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ईटीएन-41/2024-25 दिनांक 02.09.2024	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ईटीएन-42/2024-25 दिनांक 02.09.2024	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ईटीएन-43/2024-25 दिनांक 02.09.2024
कार्य का नाम :	आईडीएसएन परिसर, इस्ट्राक, ब्यालालु गांव, बेंगलूरु में कीट, कृंतक और मच्छरों के नियंत्रण के लिए वार्षिक सेवा अनुबंध	एससीसी परिसर, एमओएक्स परिसर और परिवहन यार्ड, इस्ट्रैक, पीन्या, बेंगलूरु में कीटों, कृन्तकों और मच्छरों के नियंत्रण के लिए वार्षिक सेवा अनुबंध	एससीसी परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में आर्यभट्ट हॉल के नए प्रवेश द्वार पर स्टील कैनोपी, दीवार क्लैडिंग और फर्श उपलब्ध कराना (सिविल कार्य)
निविदा का अनुमानित मूल्य :	रु. 6.05 लाख	रु. 8.53 लाख	रु. 12.79 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण :	ई-निविदा	ई-निविदा	ई-निविदा
पूरा करने की अवधि :	बारह माह (विभाग के पास कार्य अनुबंध को आगे 24 माह तक बढ़ाने का अधिकार है)	बारह माह (विभाग के पास कार्य अनुबंध को आगे 24 माह तक बढ़ाने का अधिकार है)	2 (दो) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि :	02.09.2024 को 14.30 बजे से 10.09.2024 को 16.30 बजे तक	02.09.2024 को 14.30 बजे से 10.09.2024 को 16.30 बजे तक	02.09.2024 को 14.30 बजे से 17.09.2024 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण :	02.09.2024 को 15.30 बजे से 11.09.2024 को 16.30 बजे तक	02.09.2024 को 15.30 बजे से 11.09.2024 को 16.30 बजे तक	02.09.2024 को 15.30 बजे से 18.09.2024 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख :	12.09.2024 को 16.30 बजे तक	12.09.2024 को 16.30 बजे तक	19.09.2024 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	13.09.2024 को 14.30 बजे तक	13.09.2024 को 14.30 बजे तक	20.09.2024 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	17.09.2024 को 11.30 बजे से	17.09.2024 को 11.30 बजे से	23.09.2024 को 11.30 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 12,100/-	रु. 17,060/-	रु. 25,580/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

समूह प्रमुख-सीएमजी, इस्ट्रैक

सुविचार

जिंदगी और तैराकी में एक चीज कॉमन है, तैर गए तो पार नहीं तो बीच मझदार!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महबूबा मुफ्ती की 'अजीब दलीलें'

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने विधानसभा चुनाव न लड़ने के पीछे जो कारण गिनाए, वे हकीकत से परे हैं। उन्हें न तो चुनाव लड़ने से कोई रोक रहा है और न ही इस बात को लेकर कोई दबाव डाल सकता है कि वे चुनाव लड़ें। इन वरिष्ठ नेत्री का यह कहना राजनीति की जरा-सी भी समझ रखने वाले व्यक्ति के गले नहीं उतरेगा कि अगर वे मुख्यमंत्री बन गईं तो भी इस केंद्र शासित प्रदेश में अपनी पार्टी का एजेंडा पूरा नहीं कर पाएंगी। क्या खूब दलील दी है! यह तो वही बात हुई कि मैं इम्तिहान में नहीं बैठूंगा, क्योंकि उसमें अव्वल आ गया तो अगली कक्षा में अपनी मर्जी की किताबें नहीं चला सकता! कोई विद्यार्थी इम्तिहान में बैठेगा, तभी तो पता चलेगा कि उसने सालभर कितनी पढ़ाई की है। बैठे-बैठाए यह कह देना कि 'मेरे नंबर तो सबसे ज्यादा आएंगे, लेकिन इससे आगे कोई फायदा नहीं है', अपने प्रदर्शन से जुड़ीं खामियों को छिपाने की एक कोशिश ही मानी जाएगी। महबूबा मुफ्ती और उनकी पार्टी का लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन का रिपोर्ट कार्ड क्या कहता है? पीडीपी को जम्मू-कश्मीर में डाले गए वोटों का सिर्फ 8.48 प्रतिशत मिला था। केंद्र शासित प्रदेश की किसी भी लोकसभा सीट पर इस पार्टी का खाता तक नहीं खुला था। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस को 2 सीटें और भाजपा को 2 सीटें मिलीं, जबकि एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी से खड़ी हुई थीं, जहां उन्हें शिकस्त का सामना करना पड़ा था, वह भी 2,81,794 वोटों के अंतर से! इस सीट से नेशनल कॉन्फ्रेंस के अल्ताफ अहमद जीते थे। पीडीपी किसी भी सीट पर खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। बारामूला में तो वह टक्कर में ही नहीं थी। वहां पीडीपी की 4,44,993 वोटों के अंतर से करारी हार हुई थी। बारामूला से उमर अब्दुल्ला भी 2,04,142 वोटों के अंतर से हारे थे। उनके भी ऐसे कई बयान हैं, जिनकी आलोचना की जा सकती है, लेकिन उन्होंने अभी तक इतना 'ज़बर्दस्त' आत्मविश्वास नहीं दिखाया कि 'सत्ता तो मिल जाएगी, लेकिन उससे कोई फायदा नहीं, चूंकि पार्टी का एजेंडा पूरा नहीं कर पाऊंगा!'

चुनावी राजनीति में हार-जीत होती रहती हैं। बड़े-बड़े नेता चुनाव हार जाते हैं। उनमें से कई बाद में जीत भी जाते हैं। रही बात एजेंडे की, तो किसी भी राजनीतिक दल और उससे जुड़े नेताओं का एजेंडा क्या होना चाहिए? यही कि जनता का कल्याण हो, समाज में खुशहाली आए, हालात में बेहतरी आए, सद्भाव का माहौल हो और देश मजबूत हो। क्या भारत में ऐसा कोई कानून है, जो नेताओं को ये काम करने से रोके? अगर नेताओं की नीयत अच्छी हो और वे जनहित एवं राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए ईमानदारी से काम करें तो कौन उनकी राह में अड़ंगा लगा सकता है? महबूबा मुफ्ती के शब्दों - 'मैं भाजपा के साथ एक सरकार की मुख्यमंत्री रही हूं, जिसने (साल 2016 में) 12,000 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी वापस ले ली थी। क्या हम अब ऐसा कर सकते हैं? मैंने (प्रधानमंत्री) मोदी के साथ सरकार की मुख्यमंत्री के रूप में अलगाववादियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने के वास्ते एक पत्र लिखा था। क्या आप आज ऐसा कर सकते हैं? मैंने जमीनी स्तर पर संघर्ष विराम (लागू) करवाया। क्या आप आज ऐसा कर सकते हैं?' - का क्या मतलब है? क्या वे यह कहना चाहती हैं कि उन्हें या किसी भी नेता को मुख्यमंत्री का पद इसलिए मिले, ताकि वह हजारों लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियां वापस ले ले, अलगाववादियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के बजाय उनसे बातचीत करे और संघर्ष विराम लागू करवाए? ये कैसी दलीलें हैं? याद करें, महबूबा मुफ्ती ने तिरंगे के बारे क्या बयान दिया था? क्या एक वरिष्ठ नेत्री, जो मुख्यमंत्री भी रह चुकी हैं, से उस बयान की आशा की जा सकती थी? पीडीपी का राजनीतिक भविष्य क्या होगा, यह जम्मू-कश्मीर के मतदाता तय करेंगे, लेकिन पार्टी के कर्ताधर्ता का चुनावी मुकाबले से पहले 'अजीब दलीलें' देकर पीछे हट जाना जिम्मेदारी और जवाबदेही से मुंह मोड़ना ही कहलाएगा।

ट्वीटर टॉक

पेरिस पैरालिंपिक में राजस्थान की बेटी मोना अग्रवाल ने 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। एक ही दिन में राजस्थान की दो बेटियों ने दुनियाभर में नाम रोशन किया है।

-अशोक गहलोत

राजस्थान (सीकर) के प्रसिद्ध - पावन रैवासा धाम के पीठाधीश्वर महंत श्री श्री 1008 श्री राघवाचार्य जी के ब्रम्हलीन होने का समाचार जानकर दुःख हुआ। वे वैदिक दर्शन और परंपरा के अग्रणी संत थे। उनका देहावसान अध्यात्म जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

-ओम बिरला

राजस्थान के नागरिकों के प्रतिनिधि के तौर पर मैं आपको न्योता देने आया हूं,आइये हमारे देश में सौंधी माटी में अपने उद्यम का बगीचा लगाइए। इस बगीचे के संरक्षण और विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने देंगे।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

समता के हक का संघर्ष

दिसंबर, 1955 के दौरान अमेरिका में नस्लभेद चरम पर था। उस दिन, रोजा पार्क्स नाम की अश्वेत महिला बस में पिछली सीट पर बैठी थीं, जबकि ड्राइवर ने श्वेत व्यक्ति के लिए उनकी सीट छोड़ने का आदेश दिया। रोजा ने इस अपमानजनक आदेश को मानने से इनकार किया और परिणामस्वरूप उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर 14 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। इस घटना ने पूरे अश्वेत समाज को आंदोलित कर दिया। फिर मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नेतृत्व में अहिंसात्मक आंदोलन शुरू हुआ। रोजा पार्क्स की इस साहसिक कार्रवाई ने अमेरिका में अश्वेतों के समान अधिकारों की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाया। उन्हें नागरिक अधिकारों के संघर्ष में एक प्रेरणादायक महिला के रूप में याद किया जाता है।

सामयिक

यौन दुष्कर्म पर छलका राष्ट्रपति का दर्द

डॉ. विशेष गुप्ता

कड़वा सच यह है कि यौन दुष्कृत्यों से जुड़ी इन सभी घटनाओं के पीछे छिपा वह सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण भी है, जिसे हमने अपनी खुली बाजारु अर्थव्यवस्था तथा जाति-धर्म पर आधारित सामाजिक वैमनस्य और दबंगई राजनीति से तैयार किया है। विचारहीन व्यवहार से जुड़ी इस संक्रमित संस्कृति में आज सामाजिक संवेदना, दूसरे के प्रति सम्मान, करुणा और सहानुभूति जैसे मूल्यों के साथ में बहन-बेटी जैसे रिश्तों के सम्मान की कोई जगह बची ही नहीं है। आज इस बाजारु संस्कृति की आग में मनुष्य का मनुष्यत्व, आदमी की आदमीयत और पुरुष के पुरुषार्थ झुलस रहे हैं।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर की अस्पताल में दुष्कर्म के बाद हत्या पर राष्ट्रपति की पीड़ा ध्यान देने योग्य है। उन्होंने बहुत दर्द भरे शब्दों में कहा कि मैं निराश और भयभीत हूं। कहना न होगा कि नौ अगस्त को कोलकाता में घटित इस दर्दनाक घटना के बाद उनका यह पहला बयान है। उन्होंने स्पष्ट लिखा कि कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों पर इस तरह के अत्याचार की अनुमति नहीं देता। देश के साथ-साथ उन्होंने भी आक्रोशित होते हुए कहा कि जिस समय छात्र, डॉक्टर और नागरिक कोलकाता में प्रदर्शन कर रहे थे, ऐसे समय में भी यौन पिपासु लोग अन्यत्र शिकार की तलाश में घात लगाए हुए थे। उन्होंने दिसम्बर 2012 में दिल्ली में निर्भया के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की चर्चा करते हुए कहा कि कुछ बच्चों ने मुझसे बड़ी मासूमियत से इस घटना के बारे में पूछा, मगर क्या उन्हें ऐसी घटना आगे घटित न होने का भरोसा दिया जा सकता है। निश्चित ही इस समय महिला उत्पीड़न से जुड़े मुद्दों पर समाज को ईमानदार और निष्पक्ष रहकर आत्ममूल्यांकन करने की महती आवश्यकता है।

राष्ट्रपति महोदया के बयान के आलोक में यदि महिला उत्पीड़न से जुड़ी हालिया घटनाओं का मूल्यांकन करें तो ज्ञात होता है कि अभी हाल ही में कोलकाता में डॉक्टर के साथ किए गए यौन व्यभिचार से देश भर में फैले आक्रोश और प्रदर्शनों के बीच विधायिका की एक बदरंग तस्वीर भी सामने आयी है। एसोसिएशन फॅार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स, एडीआर की ओर से जारी हालिया रिपोर्ट में 16 वर्तमान सांसदों और 135 विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध में मुकदमें दर्ज हैं। केवल इतना ही नहीं बल्कि दो सांसदों और 14 विधायकों पर दुष्कर्म के मामले चल रहे हैं। खास बात यह है कि बंगाल के जनप्रतिनिधि ऐसे मामलों का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं। उधर हेमा रिपोर्ट के बाद केरल के फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों के शोषण का मामला आजकल चरम पर है। बदलापुर, महाराष्ट्र में अबोध बच्चियों का त्रासद प्रकरण, असम में 14 साल की बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं तो हमारी आंखों के सामने ही हैं। इनके अलावा प्रतिदिन समाचार पत्रों में यौन उत्पीड़न और बलात्कार जैसी घटनाओं को प्रचुर मात्रा मे पढ़कर इन घटनाओं की गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति महोदया की महिला उत्पीड़न को लेकर यह पीड़ा अनायास ही नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट भी बताती है कि यहां 16 मिनट में एक यौन दुष्कर्म घटना होती है। साथ ही प्रत्येक घण्टे महिलाओं के विरुद्ध 50 अपराध घटित होते हैं। इनमें 10 फीसदी से भी अधिक यौन दुष्कर्म की घटनाएं 18 साल से कम उम्र के नाबालिगों के साथ घटित होतीं हैं। कहना न होगा कि आज देश और प्रदेशों के मुख्तलिफ हिस्सों में मासूम लड़कियों और महिलाओं के साथ घटने वाली यौन उत्पीड़न की वारदातों ने देश व समाज को झकझोर कर रख दिया है। लगता है, निर्भया यौन उत्पीड़न की घटना के बाद समाज की सोच में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है। यही वजह है कि देश में यौन हिंसा की लगातार बढ़ती घटनाओं को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियायें भी सामने आ रहीं हैं। केवल इतना ही नहीं ऐसी घटनाओं को रोकने के सभी उपाय भी निष्फल होते दिख रहे हैं। देश-विदेश के स्तर पर जो भी रिपोर्ट सामने आ रही है, उनमें भी यौन हिंसा के बढ़ते ग्राफ को लेकर चिंता साफ झलक रही है। कहना न होगा कि बलात्कार जैसी घिनौनी वारदातों से न केवल देश में, बल्कि विदेशों तक में अपनी साख को बट्टा लग रहा है। देश में ऐसी घटनाओं का लगातार बढ़ना निश्चित ही गंभीर चिंता का विषय है।

यौन उत्पीड़न की अधिकांश घटनाएं आज कानूनविदों और समाजशास्त्रियों को नए सिरे से सोचने को मजबूर कर रहीं हैं। इस संदर्भ से जुड़े कुछ और आंकड़े खुलासा करते हैं कि भारत में यौन उत्पीड़न के मामले में लगभग 93 फीसदी दोषी पीड़िता के ही परिचित होते हैं। इन आंकड़ों की तकलीफ देय तस्वीर यह है कि 31 फीसदी यौन हिंसा और छेड़खानी में पीड़ित लड़कियों की उम्र 14 साल से भी कम रही है। दरअसल मामला चाहे, महिला छेड़छाड़ का हो अथवा यौन हिंसा का, इन सभी घटनाओं को अब किसी एक सामाजिक पैमाने से नहीं मापा जा सकता। आज इसके गहन अध्ययन के लिए एक बहुआयामी वस्तुनिष्ठ मापनियों की जरुरत महसूस की जा रही है। लेकिन फिर भी लगातार बढ़ती यौन हिंसाओं की इन घटनाओं पर कम से कम एक हालिया समाज-मनोवैज्ञानिक दृष्टिपात करना जरुरी हो जाता है।

इसमें कोई शक नहीं कि सूचना तकनीक ने आज की दुनिया में एक खलबली मचा दी है। गांवों से लेकर महानगरों तक मोबाइल और इंटरनेट ने बच्चों, युवाओं और महिलाओं के बीच अपना पूरा दखल बना लिया है। असल स्थिति यह है कि आप सड़क के किनारे तक से सस्ते से सस्ता इंटरनेट सिम खरीदकर पूरी दुनिया की अच्छी-बुरी सैर कर सकते हैं। यहां तक कि प्रचुर मात्रा में पोर्न साहित्य तक भी इन्हीं सिम में कैद है। यहां तक कि कोलकाता से जुड़ी घटना में अभियुक्त भी इस पोर्न का ही आदी पाया गया है। दूसरी ओर संयुक्त परिवार के टूटने और छोटे परिवारों में मां-बाप और बच्चों के बीच बढ़ती दूरी और संवादहीनता ने टीनएजर्स के बीच सोशल मीड़िया के रुप में संवाद का एक नया नेटीजन पीयर ग्रुप पैदा कर दिया है। ध्यान रहे यह नेटीजन समूह ही उनके हर तरीके के सुख-दुख और अच्छे बुरे में पूरी तरह हमसाज है। मां-बाप को इस सच्चाई को समझने की फुर्सत ही नहीं है कि पोर्न उनके बच्चों के बेडरुम तक पहुंच गया है। उल्टे वे इस सच्चाई से दूर भाग रहे हैं। सच तो यह है कि पोर्न का प्रभाव ही यौन सबंधों के ढ़ांचे को नई यौन प्रयोगशाला में रुपान्तरित कर रहा है। बढ़ते यौन आवेग के पीछे कहीं न कहीं इस मुद्दे को भी समाहित करना समीचीन होगा। दूसरी ओर इस संदर्भ में यह भी देखने में आ रहा है कि आज सबसे अधिक हिंसा उन लड़के-लड़कियों पर हो रही है, जो या तो घर से बाहर रह रहे हैं अथवा वे समाज के कमजोर सामाजिक-आर्थिक वर्ग से आते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 16 दिसम्बर को दिल्ली में हुए निर्भया काण्ड के पश्चात बलात्कार के दोषियों के प्रति कानून की सख्ती हुयी है। मगर इसके बाद भी बालिग के साथ-साथ कहीं-कहीं नाबालिग भी अपराधी तक अब बलात्कार के बाद पीड़िता की हत्या करके सबूत मिटाने पर आमादा हैं। साथ ही साथ सबसे दुखद तो यह है कि यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों में राजनीति और कानून से जुड़े पुरोधाओं के गैर जिम्मेदाराना बयानों ने भी इन व्यभिचारियों के हौसले बुलंद किए हुए हैं।

कड़वा सच यह है कि यौन दुष्कृत्यों से जुड़ी इन सभी घटनाओं के पीछे छिपा वह सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण भी है, जिसे हमने अपनी खुली बाजारु अर्थव्यवस्था तथा जाति-धर्म पर आधारित सामाजिक वैमनस्य और दबंगई राजनीति से तैयार किया है। विचारहीन व्यवहार से जुड़ी इस संक्रमित संस्कृति में आज सामाजिक संवेदना, दूसरे के प्रति सम्मान, करुणा और सहानुभूति जैसे मूल्यों के साथ में बहन-बेटी जैसे रिश्तों के सम्मान की कोई जगह बची ही नहीं है। आज इस बाजारु संस्कृति की आग में मनुष्य का मनुष्यत्व, आदमी की आदमीयत और पुरुष के पुरुषार्थ झुलस रहे हैं। ऐसे में विषैली मानसिकता का प्रस्फुटन होना स्वभाविक ही है। इसलिए हमें समय रहते उन सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दशाओं का विश्लेषण भी करना चाहिए, जो लोगों को बलात्कारी बनाती हैं। साथ ही स्त्री और पुरुष देह से जुड़ी उन सामाजिक मान्यताओं और पुलिस कानून की कमजोर व्यवस्थाओं का भी मूल्यांकन करना पड़ेगा, जो आज खुद बलात्कारी की रक्षक बनकर न्याय का गला घोंट रही हैं। यदि असलियत में हमें यह चिन्ता है कि किसी भी महिला अथवा पुरुष पर बलात हिंसा और यौन आक्रमण न हो तो हमें शाब्दिक वाचालता, चपलता और यौन हिंसा की घटनाओं से जुड़ी त्वरित टिप्पणी के खोल से बाहर आकर बलात्कार से जुड़े उन मूल सवालों से टकराना पड़ेगा, जो इस प्रकार की घटनाओं से उभर रहे हैं। साथ ही एक स्वस्थ एवम स्त्री सशक्तता से जुड़े समाज की पुनर्स्थापना भी करनी पड़ेगी। तभी महिला की देह को सुरक्षा कवच मिल पायेगा। अंत में कहना न होगा कि बलात्कार चाहे कोलकाता में हो या देश व प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में, वे केवल कानून की विफलता के कारण ही नहीं हैं। हम इस सच्चाई को अच्छी तरह जानते हैं कि आज के लगातार हिंसक हो रहे समाज में कानून की सख्ती के बिना जंगल राज होने की पूरी संभावनाएं हैं। परन्तु दूसरी ओर यह भी सच है कि कानून व्यवस्था हम चाहे कितनी भी दुरुस्त क्यों न कर लें, अगर उसे सभ्य समाज की संवेदनशील सामाजिक मूल्यों की संस्कृति का सहयोग और समर्थन नहीं मिलता तो ऐसे में न तो सामान्य अपराधों पर और न ही बढ़ती यौन हिंसा पर रोक लगायी जा सकती है। ऐसे में जरुरी है कि देश और समाज के साथ-साथ परिवारों और स्कूली स्तर पर मनुष्यगत मूल्यों का पूर्ण आन्तरीकरण हो। साथ ही देश में प्रत्येक नारी के सम्मान के साथ-साथ करुणा और दया के भाव से जुड़े मूल्यों को आत्मसात करके और व्यवहार में उनका प्रदर्शन करके ऐसी यौन दुष्प्रवृतियों पर काफी हद तक रोक लगायी जा सकती है, इसीलिए समय रहते हमें राष्ट्रपति महोदया की सामयिक पीड़ा को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

नजरिया

मलयाली फिल्म इंडस्ट्री का घिनौना चेहरा!

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

समूचे देश में एक ओर महिलाओं बच्चियों की सुरक्षा को लेकर आम आदमी से लेकर राष्ट्रपति तक चिंता जताई रहे हैं वहीं मलयाली फिल्म इंडस्ट्री का एक ऐसा कुरूप चेहरा सामने आया है जिसे जानकर नारी अस्मिता सम्मान और बेटी बचाओ के सारे नारे महज कागजी या बेमानी हो जाते हैं। इसी कड़ी में मलयालम फिल्मों के जाने माने अभिनेता और सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक एम. मुकेश के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. मुकेश पर एक अभिनेत्री ने आरोप लगाया है कि अभिनेता ने कई साल पहले उसका यौन उत्पीड़न किया था जिसके आधार यह मामला दर्ज किया गया।

देश भर में महिलाओं के विरुद्ध अत्याचारों को लेकर मचे बवाल के बीच हाल ही में केरल फिल्म उद्योग में यौन शोषण के आरोपों को लेकर 'जस्टिस के. हेमा कमेटी' की रिपोर्ट से हडकंप मच गया है।एक रिपोर्ट के अनुसार 2017 में एक मलयाली फिल्म अभिनेत्री ने मलयाली सुपर स्टार 'दिलीप' पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था जिस पर 'दिलीप' को गिरफ्तार भी किया गया था। इसके बाद केरल सरकार ने यहां के फिल्म उद्योग में महिलाओं की स्थिति की जांच करने के लिए 'जस्टिस के. हेमा कमेटी' का गठन किया था।

न्यायमूर्ति हेमा समिति की 296 पन्नों की रिपोर्ट में किए गए खुलासों के बाद विभिन्न निर्देशकों और अभिनेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं. तब से मलयालम फिल्म जगत की किसी 'हाई प्रोफाइल' हस्ती के खिलाफ यह तीसरी प्राथमिकी है। इससे पहले, तिरुवनंतपुरम म्यूजियम पुलिस ने आठ साल पहले एक होटल में एक अभिनेत्री से बलात्कार करने के आरोप में अभिनेता सिद्दीकी के खिलाफ बुधवार को मामला दर्ज किया था। पहला मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला करना या आपराधिक बल प्रयोग) के तहत निर्देशक रंजीत के खिलाफ पश्चिम बंगाल की एक अभिनेत्री की शिकायत पर दर्ज किया गया था। यह शिकायत

2009 की एक घटना के संबंध में की गई है। अभिनेत्री ने आरोप लगाया है कि निर्देशक ने 2009 में फिल्म 'पालेरी मणिक्यम' में अभिनय के लिए आमंत्रित करने के बाद उसे अनुचित तरीके से छुआ था। इन आरोपों को लेकर रंजीत ने केरल चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। सिद्दीकी ने भी अपने खिलाफ लगे आरोपों के बाद 'मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' (एएमएमए) के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। आपको बता दें कि वर्ष 2017 में एक अभिनेत्री पर हमले के बाद केरल सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न एवं शोषण के मामलों का खुलासा किया गया है।

'जस्टिस के. हेमा' ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 15 प्रभावशाली व्यक्तियों का समूह मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को नियंत्रित कर रहा है। जब कोई महिला उसे परेशान करने की शिकायत लेकर सामने आती है तो यह समूह बिना कोई कारण बताए उसे जिंदगी भर के लिए बैन करने और बदला लेने के लिए दूसरे तरीके इस्तेमाल करता है। एक महत्वपूर्ण अभिनेता ने इस रिपोर्ट में बताए गए सर्वशक्तिमान लोगों को 'माफिया' करार दिया है जिनके विरुद्ध केरल फिल्म उद्योग से जुड़ा कोई भी व्यक्ति एक शब्द तक मुंह से नहीं निकाल सकता। रिपोर्ट के अनुसार निर्माता-निर्देशकों ने एक 'सैक्स कोड' बना रखा है- 'समझौता और एडजस्ट करो'। जो अभिनेत्री इसका विरोध करती है, सारी इंडस्ट्री उसके खिलाफ हो जाती है और उसे हर स्तर पर प्रताड़ित किया जाता है। शूटिंग के दौरान होटल में ठहरी अभिनेत्रियों के साथ दुर्व्यवहार और जूनियर अभिनेत्रियों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार किया जाता है। इस वर्ष 19 अगस्त को इस रिपोर्ट के सार्वजनिक होते ही अनेक मलयाली फिल्म निर्देशक, लेखक और अभिनेता आरोपों के घेरे में आ गए हैं। इसी कारण अब केरल सरकार ने एक और जांच कमेटी गठित कर दी है।

इस बीच मलयाली अभिनेत्री 'रेवती' द्वारा प्रसिद्ध अभिनेता 'सिद्दीकी' पर बलात्कार के आरोप लगाने के बाद 'सिद्दीकी' ने 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' के महासचिव पद से त्यागपत्र दे दिया है। 'रेवती' के अनुसार, उसने मुझसे फेसबुक पर सम्पर्क किया था। तब 'सिद्दीकी' ने मुझे 'मोल' (बेटी) कहा था और बाद में फेसबुक के जरिए ही संदेश भेज कर फिल्मों में अभिनय के विषय में बात करने के लिए मुझे तिरुवनंतपुरम के एक होटल में बुलाया। 'रेवती' के अनुसार, उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं उसके लिए कुछ एडजस्टमेंट कर सकती हूं। मुझे अंदाजा नहीं था कि 'सिद्दीकी' के कहने का क्या मतलब है? परन्तु उसके बाद उसने मेरे साथ गाली-गलौच करने के अलावा जोर जबरदस्ती की । एक अन्य अभिनेत्री 'श्रीलेखा मित्रा' ने पुरस्कार विजेता फिल्म 'नंदनम'के निर्देशक 'रंजीत' पर उसके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया, जिसके बाद 'रंजीत' ने केरल सरकार द्वारा संचालित 'केरल चित्रकला अकादमी' के प्रमुख पद से त्यागपत्र दे दिया है।

एक अन्य अभिनेत्री ' मीनू मुनीर' ने कई कलाकारों पर उसका यौन शोषण करने के आरोप लगाए हैं। उसने अभिनेता से माकपा विधायक बने 'एम. मुकेश' के अलावा मलयालम फिल्म उद्योग में 3 अन्य प्रतिष्ठित अभिनेताओं 'जयसूर्या', 'मणियनपिला राजू', 'इदावेला बाबू' तथा 2 प्रोडक्शन कंट्रोलरों 'नोबल' और 'विचु' पर भी यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। 'मीनू' के अनुसार, 2013 में एक फिल्म में अभिनय करने के दौरान मैं इनके हाथों शारीरिक और मौखिक शोषण का शिकार हुई। मैंने इनके साथ सामंजस्य करने और काम करते रहने की कोशिश की लेकिन उनका दुर्व्यवहार तथा शोषण बढ़ता गया और असहनीय हो गया। इसी कारण मुझे मलयालम फिल्म इंडस्ट्री छोड़ कर मजबूरन चेन्नई शिफ्ट होना पड़ा।

एक अन्य जूनियर अभिनेत्री ने खलनायक 'बाबू राज' पर उसका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया जबकि एक बंगला फिल्म अभिनेत्री ' ऋताभरी' ने भी बंगला फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इस बीच 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' के अध्यक्ष और शीर्ष अभिनेता 'मोहन लाल' सहित इसके सभी पदाधिकारियों ने आरोपों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पदों से त्यागपत्र दे दिया है, परन्तु इतना ही काफी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि केरल की फिल्म इंडस्ट्री पर हावी माफिया का घिनौना चेहरा उजागर करने वाली इस रिपोर्ट में किए गए खुलासों का संज्ञान लेकर सुप्रीम कोर्ट को जल्द से जल्द दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करनी चाहिए ताकि इस बुराई पर रोक लगे और इसे फैलने से रोका जा सके।

सवाल उठता है कि सिनेमा को समाज की सच्चाई परदे पर प्रदर्शित कर समाज में जागरूकता लाने के लिए भूमिका निर्वाह करने की जिम्मेदारी है लेकिन मलयालम फिल्म का जो अंदरूनी चेहरा सामने आया है वह इतना घिनौना है कि महिला कलाकारों के साथ होने वाली अमानवीयता दरिंदगी व दुराचार इस फिल्म इंडस्ट्री का वर्क कल्चर है। सरकार को इस मामले में हेमा कमेटी की रिपोर्ट पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रीराम प्रॉपर्टीज ने नई ब्रांड पहचान के साथ बदलाव की शुरुआत की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक श्रीराम प्रॉपर्टीज (एसपीएल) ने अपनी महत्वाकांक्षी विकास रणनीति के हिस्से के रूप में ब्रांड बदलाव पहल की शुरुआत की है। इसके साथ ही, एसपीएल ने एक मिशन एसपीएल एनएक्सटी शुरू किया है, जिसका मकसद विकास में तेजी लाना, ब्रांड को पुनः स्थापित करना और मध्य-बाजार खंडों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना है। अपने मिशन के एक हिस्से के रूप में कंपनी का लक्ष्य बेंगलूरु, चेन्नई और कोलकाता के साथ-साथ पुणे में आवासीय अचल संपत्ति बाजारों के मध्य-बाजार और मध्य-प्रीमियम खंडों पर अपना ध्यान केंद्रित करना है, जहां कंपनी जल्द ही प्रवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी का लक्ष्य अगले दशक में इस सेगमेंट में नेतृत्व हासिल करना और भारत में सबसे मूल्यवान, सबसे भरोसेमंद और सबसे पसंदीदा मिड-सेगमेंट रियल एस्टेट ब्रांड बनना है।

कंपनी के पास चेन्नई बाजार के लिए विस्तृत योजनाएं हैं। अगले दो वर्षों में लगभग छह-आठ एमएसएफ को जोड़ने की उम्मीद है, जिसमें 800-1000 करोड़ रुपए की पूंजी प्रतिबद्धता शामिल होगी। इस निवेश में 'श्रीराम' का अपना 200 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश शामिल होगा। बाकी का निवेश साझेदारों, जैसे जेडीए भूस्वामियों, वित्तीय या रणनीतिक निवेशकों से आएगा। इस पाइपलाइन में से लगभग 2 एमएसएफ इसी वित्तीय वर्ष में पूरे होने के अंतिम चरण में है। कंपनी 2024-25 में अपने परिचालन के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस उत्सव के हिस्से के रूप में, एसपीएल ने एक नई ब्रांड पहचान शुरू की है। इस नई पहचान का उद्देश्य ग्राहकों के बीच श्रीराम की धारणा को बदलना है। साथ ही भविष्य में बेहतर ग्राहक संतुष्टि के लिए इसके ब्रांड और प्रतिष्ठा को बढ़ाना है। इस अवसर पर श्रीराम प्रॉपर्टीज लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुरली मलयप्पन ने कहा, 'हम अपने परिचालन के 25वें वर्ष में प्रवेश करते हुए एक नई पहचान के साथ मिशन 'एसपीएल एनएक्सटी' पर काम शुरू कर रहे हैं। इससे हमें अपनी पहचान बनाने और अगली पीढ़ी के खरीदारों के बीच विश्वसनीय ब्रांड को ऊपर उठाने और पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी।'

उन्होंने कहा, 'बदलाव को अपनाते हुए, ग्राहकों, गुणवत्ता और डिजाइन, उद्योग में अग्रणी निर्माण मानकों तथा ग्राहक संतुष्टि को बढ़ाने के प्रति हमारा समर्पण जारी रहेगा। हम भविष्य में ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाएंगे। हम एसपीएल को न केवल दक्षिण भारत में, बल्कि हमारे प्रमुख बाजारों में एक प्रमुख शक्ति के रूप में देखते हैं।' श्रीराम प्रॉपर्टीज लि. के कार्यकारी निदेशक और समूह सीईओ गोपालकृष्णन जे ने कहा, 'अगले तीन वर्षों में, हम चेन्नई में पांच-छह एमएसएफ से अधिक की बिक्री की उम्मीद करते हैं। हमने हाल ही में पोरुर के पास मंगदु में अधिग्रहण किया और श्रीराम 122 वेस्ट को लॉन्च किया।'

उन्होंने कहा, 'हम तीन नई परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं - तिरुमाजासाई (स्वर्गम) के पास पुडिया चेन्नई; वलारपुरम में श्रीराम वनसिटी के पास जैकपॉट; तीसरी परियोजना '24 कैरेट' है, जो श्रीराम शंकरी का अभिन्न हिस्सा है।' उन्होंने कहा, 'इन हालिया और आगामी लॉन्च के बीच, हमारे पास 4+ एमएसएफ बिक्री योग्य क्षेत्र और 2,500 करोड़ रुपए का जीडीवी है, जिसे तीन वर्षों में बेचा जाना है। हम अगले तीन वर्षों में इन परियोजनाओं के निर्माण पर 400+ करोड़ रुपए का निवेश करेंगे और चेन्नई में हमारी सभी परियोजनाओं में 750 करोड़ रुपए से अधिक के निर्माण खर्च की उम्मीद है।'

चिराग पासवान और मोदी कभी अलग हो ही नहीं सकते : चिराग

पटना/भाषा

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपनी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच दरार की अफवाहों पर विराम लगाते हुए शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कभी अलग हो ही नहीं सकते, क्योंकि 'मेरा यह समर्पण मेरे प्रधानमंत्री जी के प्रति है।' उन्होंने यहां 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार के दौरान वक्फ बोर्ड बिल, एवं नौकरशाही में 'लैटरल एंट्री, क्रीमी लेयर और अनुसूचित जातियों के उपवर्गीकरण जैसे मुद्दों पर उनके रुख से शुरू हुई अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कहा, '' जब मैं राजग का हिस्सा नहीं भी था तब भी मैं भाजपा और प्रधानमंत्री जी के विरोध में नहीं था। आज साथ में रहकर विरोध करने की सोच मेरी जेहन में कहीं से नहीं आ सकती है।'' उन्होंने कहा, '' इस बात को कतई नहीं भूलना चाहिए कि मेरा समर्पण मेरे प्रधानमंत्री के प्रति है। किस हद तक है, आप सभी ने उसे उस समय भी अनुभव किया होगा जब मैं अपने जीवन के सभी सबसे कठिन दौर से गुजर रहा था। तब भी मेरा विश्वास मेरे प्रधानमंत्री पर था और जितना

स्नेह प्रधानमंत्री से मुझे मिला है, उसे आप लोगों ने हाजीपुर की सभा में उनके भाषण को सुना होगा। चिराग पासवान ने कहा, '' इस बात को कहने में मुझे कभी कोई एतराज नहीं है कि जब तक मेरे प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी हैं, तबतक चिराग पासवान और प्रधानमंत्री दोंनो कभी अलग हो ही नहीं सकते। मेरा यह समर्पण मेरे प्रधानमंत्री जी के प्रति है।'' उन्होंने कहा कि वास्तव में उनके विचार हमेशा सरकार के रुख को दर्शाते हैं जिसका एक उदाहरण वक्फ विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेजना है।

दरअसल ऐसी अफवाह है कि मोदी का ''हनुमान'' होने का दावा कर चुके चिराग पासवान ने भाजपा के संख्या बल में गिरावट (लोकसभा में बहुमत से दूर रहने और सत्ता में बने रहने के लिए सहयोगियों पर उसकी निर्भरता) की पृष्ठभूमि में अपनी ताकत दिखाना शुरू कर दिया। इन अफवाहों को खारिज करते हुए चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी झारखंड जैसे राज्यों में राजग सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ने के खिलाफ नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''वास्तव में, हमारी पार्टी का बिहार और केंद्र में भाजपा के साथ गठबंधन है। लेकिन झारखंड जैसे राज्यों में हमारा कोई गठबंधन नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम वहां भाजपा के साथ गठबंधन के खिलाफ हैं। अगर भाजपा और अन्य राजग सहयोगी हमें साथ लेना चाहती हैं, तो हम तैयार हैं।''

'टेलीग्राम' के सीईओ दुरोव को फ्रांस की नागरिकता देना देश के लिए अच्छा : इमैनुएल मैक्रों

बेलग्राद (सर्बिया)/एपी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पावेल दुरोव को त्वरित नागरिकता प्रदान करने के अपने फैसले का बचाव किया है। दुरोव से 'टेलीग्राम' का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों के लिए किए जाने के आरोपों को लेकर फ्रांस में पूछताछ की जा रही है। मैक्रों ने बृहस्पतिवार को यह भी कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी दुरोव फ्रांस आ रहे थे तथा सीईओ से मिलने की उनकी कोई योजना नहीं थी। दुरोव को 12 कथित अपराधों के सिलसिले में पिछले महीने शुरू की गई न्यायिक जांच के तहत शनिवार को पेरिस के बाहर ले बॉर्गेट हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया था। फ्रांसीसी अभियोजकों ने दुरोव को चार दिन की पूछताछ के बाद बुधवार को पुलिस हिरासत से रिहा कर दिया। 'टेलीग्राम' का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों के लिए किए जाने के आरोपों को लेकर उनसे यह पूछताछ की गई।

दुरोव को हिरासत में लिए जाने की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्षधर लोगों और सत्तावादी सरकारों ने आलोचना की है। पेरिस अभियोजक कार्यालय के एक बयान के अनुसार, मामले की जांच कर रहे न्यायाधीशों ने बुधवार रात प्रारंभिक आरोप दायर किए तथा दुरोव को 50 लाख यूरो जमानत राशि देने तथा सप्ताह में दो बार पुलिस थाने में हाजिरी लगाने का आदेश किया।

उनके खिलाफ मंच का उपयोग बाल यौन शोषण सामग्री और मादक पदार्थों की तस्करी के लिए करने, धोखाधड़ी तथा संगठित अपराध से जुड़े लेनदेन को बढ़ावा देने समेत कई आरोप लगाए गए हैं। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उद्यमियों की स्वतंत्रता का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि दुरोव को फ्रांस की नागरिकता देना ''हमारे देश के लिए वैसे ही अच्छा'' है, जैसे कि प्रसिद्ध खिलाड़ियों, कलाकारों और अन्य उन लोग को नागरिकता देना अच्छा होता है जो फ्रांस की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं और फ्रेंच भाषा सीखते हैं।

फिल्म 'बर्लिन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना और इश्वाक सिंह अभिनीत फिल्म 'बर्लिन' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अतुल सभरवाल निर्देशित फिल्म 'बर्लिन' 1990 के दशक के राजनीतिक माहौल पर आधारित है। फिल्म बर्लिन की कहानी एक जासूसी थ्रिलर पर आधारित है।फिल्म बर्लिन नब्बे के दशक की नई दिल्ली की ठंडी सर्दियों में एक तनावपूर्ण जासूसी थ्रिलर के रूप में सामने आती है, जब अधिकारी एक मूक-बधिर युवक की भूमिका निभाने वाले ईश्वक सिंह को विदेशी जासूस होने के संदेह में गिरफ्तार करते हैं।

मामला एक जटिल मोड़ लेता है क्योंकि एक कुशल सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ की भूमिका निभाने वाले अपारशक्ति खुराना को व्याख्या करने के लिए लाया जाता है, लेकिन वह खुद को एक कुख्यात जासूस अनुप्रिया गोनेंका की सहायता करने के आरोपों के जाल में फंसता हुआ पाता है।

परियोजना के बारे में उत्साहित सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ की भूमिका निभाने वाले अपारशक्ति ने कहा कि वह बर्लिन परियोजना से बहुत भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और निर्देशक ने उन्हें एक चुनौतीपूर्ण काम दिया है।उन्होंने कहा, बर्लिन एक ऐसी फिल्म है जिसके साथ मैं भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ हूं क्योंकि यह वास्तव में मेरे अंदर के सर्वश्रेष्ठ को सामने लेकर आया है। अतुल सभरवाल ने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और मुझे चुनौतीपूर्ण काम दिया है ।'बर्लिन' वह जगह है जहां हंसी रुकती है और तीव्रता शुरू होती है। मूक-बधिर किरदार निभाने वाले इश्वाक सिंह ने इस भूमिका को अपने द्वारा निभाया गया सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार बताया।उन्होंने कहा, शुरुआत से ही मुझे पता था कि यह एक विशेष फिल्म है। मुझे किरदार और कहानी बहुत दिलचस्प लगी और कथानक की तरह यह भी एक रहस्य था कि मैं इसे कैसे सुलझाऊंगा। मैंने अपनी अंतरात्मा पर भरोसा किया और अतुल सभरवाल की दृष्टि और कार्यों पर विश्वास किया। खुफिया अधिकारी का रोल कर रहे राहुल बोस ने कहा कि बर्लिन एक ऐसी फिल्म है, जो कहानी कहने के दृष्टिकोण को चुनौती देती है। कहानी इस तरह से बुनी गई है कि दर्शक अनुमान लगाते रहें कि आखिर सच्चाई क्या है।

फिल्म बर्लिन में अपारशक्ति खुराना, इश्वाक सिंह, राहुल बोस, अनुप्रिया गोयनका और कबीर बेदी समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। राहुल बोस, अनुप्रिया गोयनका और कबीर बेदी भी फिल्म बर्लिन में अहम भूमिकाओं में नजर आयेंगे। दर्शक इसे 13 सितंबर से जी5 पर देख सकेंगे। इसका निर्माण जी स्टूडियोज और यिप्पी की याय मोशन पिक्चर्स द्वारा किया गया है।

मुलाकात

मुंबई में शुक्रवार को ओलंपिक डबल कांस्य पदक विजेता और निशानेबाज मनु भाकर ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के साथ मुलाकात की तस्वीर पोस्ट की।

रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में हुई नागार्जुन की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार नागार्जुन, रजनीकांत की फिल्म कुली में काम करते नजर आयेंगे। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही फिल्म कुली में रजनीकांत की मुख्य भूमिका है। फिल्म कुली में अब नागार्जुन की एंट्री हो गयी है। लोकेश कनगराज ने फिल्म कुली से नागार्जुन का पोस्टर शेयर किया है। इस मोनोक्रोम पोस्टर में नागार्जुन का खूंखार और स्टाइलिश अवतार दिखाई दे रहा है। चेहरे पर दाढ़ी और बड़ी-बड़ी मूंछें उनके लुक को और भी ज्यादा दिलचस्प बना रही है। नागार्जुन की आंखों पर चश्मा और और हाथ में चमचमाती घड़ी

नजर आ रही है। फिल्म कुली से नागार्जुन के पोस्टर को शेयर करते हुए लोकेश कनगराज ने लिखा, किंग नागार्जुन सर को 'साइमन' के रूप में 'कुली' के कलाकारों में शामिल करने के लिए उत्साहित हूं। बोर्ड पर आपका स्वागत है और आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं सर।

ट्रेलर लॉन्च

मुंबई में शुक्रवार को अभिनेता वरुण धवन आगामी फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान तस्वीरों के लिए पोज देते हुए।

मुंबई में होगी 'शोले' की स्पेशल स्क्रनिंग

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा जगत की ब्लॉकबस्टर फिल्म शोले की स्पेशल स्पेशल स्क्रीनिंग 31 अगस्त को की जायेगी। रमेश सिप्पी निर्देशित वर्ष 1975 में प्रदर्शित फिल्म शोले में संजीव कुमार, धर्मेन्द्र, अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, जया भादुड़ी और अमजद खान समेत कई कलाकार नजर आये थे। 15 अगस्त, 1975 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' की रिलीज को 49 साल पूरे हो गए हैं। दिग्गज लेखक सलीम-जावेद ने शोले की कहानी लिखी थी। शोले का हर किरदार खास रहा, विशेषतौर पर सिनेमा के इतिहास में अमजद खान का निभाया 'गब्बर सिंह' का किरदार अमर हो गया।शोले ऐसी भड़की कि मुंबई (तब बांबे) के मिनर्वा सिनेमाहाल में लगातार पांच वर्षों तक दिखाई जाती रही।शोले की रिलीज के 49 साल बाद मुंबई में इसकी विशेष स्क्रीनिंग होने वाली है, जिसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी गई है। टाइगर बेबी फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म शोले की स्क्रीनिंग से जुड़ी जानकारी दी है।

फिल्म शोले की स्क्रीनिंग मुंबई में 31 अगस्त को होने वाली है।वहीं, इस पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा गया है कि सलीम-जावेद के जादू का जश्न 50 साल बाद मनाएं। इस शनिवार 31 अगस्त को सिनेमाघरों में शोले की एक बार स्क्रीनिंग होगी।

'स्पाई थ्रिलर' जी2 में इमरान हाशमी करेंगे काम

मुंबई/एजेन्सी

100 करोड़ के बड़े बजट में बन रही अभिनेता अदिवी सेश की स्पाई थ्रिलर जी2 में इमरान हाशमी भी काम करते नजर आयेंगे। अदीवी शेष वर्ष 2018 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गुडाचारी' की अगली कड़ी 'जी2' के साथ स्पाई की दुनिया में वापस आ गए हैं।

यह फ्रेंचाइज़ी 100 करोड़ के भारी बजट के साथ नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है। जी2 हिंदी मार्केट में एंट्री कर रही है और ऐसे में फिल्म में इमरान हाशमी को एक अहम लीड के तौर पर पेश किया जाएगा। विनय कुमार सिरिगिनीडी द्वारा निर्देशित 'जी2' के साथ, निर्माता न केवल मूल फिल्म की सफलता को कैश करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसा अनुभव तैयार देना चाहते है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गूंजे, और साथ ही उस भावनात्मक कोर को बनाए रखें जिसने 'गुडाचारी' को इतना सफल बनाया।इस महीने की शुरुआत में, निर्माताओं ने 'गुडाचारी' के 6 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए 'जी2' की 6 स्टाइलिश झलकियों के साथ फैन्स को शानदार सरप्राइज दिया था।

इन झलकियों ने फिल्म के अंतर्राष्ट्रीय स्तर, सोफेस्टिकेटेड स्टाइल और लार्जर देन लाइफ विजिन को पूरी तरह से कैप्चर किया, जिससे यह तय हो गया कि यह फिल्म बिग स्क्रीन्स पर एक बेहतरीन अनुभव कराने वाली है।पीपल मीडिया फैक्ट्री, अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स और एके एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित 'जी2' वर्ष 2025 में रिलीज होने वाली है।

निर्भया कांड के बाद भी यौन उत्पीड़न की घटनाएं कम नहीं होना शर्मनाक : शबाना

पुणे/भाषा

अभिनेत्री शबाना आजमी ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों के केवल कुछ ही मामलों में आक्रोश जाहिर नहीं किया जाना चाहिए बल्कि समाज को इस विकृति के मूल कारण पर काम करना चाहिए। अभिनेत्री ने कहा कि लोगों की पितृसत्तात्मक मानसिकता को खत्म करने की जरूरत है क्योंकि निर्भया कांड के बारह साल बाद भी यौन उत्पीड़न के मामलों में कमी नहीं आई है। अभिनेत्री आजमी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के सहयोग से पुणे स्थित ग्रेविटास फाउंडेशन द्वारा 'बच्चों के लिए एक सुरक्षित विश्व का निर्माण' विषय पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन में शामिल हुई थीं। सम्मेलन में अभिनेत्री से कोलकाता में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और उसकी हत्या तथा बदलापुर के एक स्कूल में चार साल

की दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना के बारे में उनकी टिप्पणी मांगी गई थी। उपरोक्त घटनाओं के बारे में आजमी ने कहा, ''आक्रोश तो होना ही चाहिए और सिर्फ आज नहीं, आक्रोश तो बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था और गुस्सा केवल कुछ ही मामलों में जाहिर नहीं किया जाना चाहिए... ये सभी घटनाएं बेहद खतरनाक हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर हम इन घटनाओं को चुनिंदा तरीके से देखते रहेंगे तो हम उनकी जड़ तक नहीं पहुंच पाएंगे। यह सब बहुत शर्मनाक है।'' दिल्ली में 2012 में एक फिजियोथेरेपी की इंटर्न के साथ हुए क्रूर सामूहिक बलात्कार का जिक्र करते हुए 73 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि पूरा देश उसके लिए न्याय की मांग करने के लिए एकजुट हुआ था और उसके बाद न्यायमूर्ति वर्मा समिति ने कई सिफारिशें कीं, लेकिन फिर भी घटनाएं कम नहीं हुई हैं। आजमी ने कहा, ''पितृसत्ता और महिलाओं को वस्तु समझने वाली सोच को खत्म करने की जरूरत है तथा यह सोचने की जरूरत है कि उनके भी समान अधिकार हैं। ऐसे मामलों में सख्त प्रोटोकॉल हैं और कुछ मामलों में मौत की सजा भी दी गई है लेकिन फिर भी घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। हमें इन घटनाओं के मूल कारण पर काम करने की जरूरत है। हमें न्यायमूर्ति वर्मा समिति द्वारा दी गई सिफारिशों पर काम करने की जरूरत है।''

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्वास्थ्य लाभ लेकर अस्पताल से चिकपेट संघ में पधारें गच्छाधिपति आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी के विशेष स्वागत किया गया। शुक्रवार को आचार्यश्री का पदाधिकारियों सहित दोनों सहवर्ती श्रमणों ने भी उनका स्वागत किया।

पर्युषण जैनधर्म का सबसे बड़ा आध्यात्मिक पर्व है : आचार्य विमलसागरसूरी

पर्युषण महापर्व का आगाज आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में शुक्रवार को पर्युषण महापर्व के रहस्य और इतिहास पर श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन परंपरा के 45 मूल धर्मशास्त्रों में कल्पसूत्र का महत्वपूर्ण स्थान है। 1570 वर्ष पूर्व पालीताणा महातीर्थ के समीप वल्लभीपुर में देवर्द्धि गणि क्षमाश्रमण के सान्निध्य में 500 जैनाचार्यों का विशाल सम्मेलन आयोजित हुआ था। उस समय कंठस्थ सभी धर्मशास्त्रों को पहली बार लिपिबद्ध किया गया। तेरह वर्षों में वहां 45 आगमग्रंथों की दो करोड़ से अधिक प्रतियां तैयार की गईं। ज्ञान और धर्मग्रंथों के क्षेत्र में जैन परंपरा की यह ऐतिहासिक घटना है। बाद में पाटण, खंभात, सूरत, डभोई, जैसलमेर, अहमदाबाद, बीकानेर, उज्जैन, लाहौर, सिंध, पंजाब, कश्मीर, काबुल, तक्षशिला, कलिंग, नेपाल, श्रीलंका, पाटलिपुत्र, नालंदा, उड़ीसा आदि के ज्ञानभंडारों में वे धर्मग्रंथ सुरक्षित किये गए। कालांतर में इसमें से अनेक प्राचीन ग्रंथ आततायियों ने जलाकर नष्ट किए और अनेक ग्रंथों को अंग्रेज विदेश ले गए। आज भी भारत में और विदेशों में हजारों प्राचीन जैनग्रंथ मौजूद हैं, जिनमें सोने और चांदी की स्याही से लिखे गए हस्तलिखित सचित्र कल्पसूत्र का पुरातात्विक दृष्टि से उल्लेखनीय स्थान है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पर्युषण जैनधर्म का सबसे बड़ा आध्यात्मिक पर्व है। श्रमण संस्कृति के इस पर्व को प्राचीन काल में सिर्फ जैन साधु साध्वी ही मनाया करते थे। श्रावक-श्राविकाओं के साथ इसका कोई संबंध नहीं था। आज से पंद्रह सौ सत्तावन वर्ष पूर्व आचार्य कालकसूरीश्वर ने गुजरात के वडनगर में राजा ध्रुवसेन की राजसभा में पहली बार कल्पसूत्र नामक आगमशास्त्र का पठन किया और तब से पर्युषण महापर्व श्रावक-श्राविकाओं के लिए सार्वजनिक किया गया। अहिंसा इस पर्व का भावना पक्ष है और संयम इसका क्रियापक्ष। सभी प्रकार के मानसिक, वाचिक और कायिक हिंसक पापजन्य क्रियाकलापों का परित्याग कर आध्यात्मिक साधना करना पर्युषण महापर्व का उद्देश्य और संदेश है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि शनिवार को प्रातः 5 बजे प्रतिक्रमण व पौषध के साथ पर्युषण पर्व का आगाज होगा। प्रातः 9 बजे पर्व के पांच कर्तव्यों पर रोचक प्रवचन होंगे। शाम का प्रतिक्रमण 7 बजे से होगा।

स्वास्थ्य लाभ के बाद चिकपेट संघ में हुआ आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वर का मंगल प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वास्थ्य लाभ लेकर अस्पताल से चिकपेट संघ में पधारें गच्छाधिपति आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी के विशेष स्वागत किया गया। शुक्रवार को आचार्यश्री का पदाधिकारियों सहित दोनों सहवर्ती श्रमणों ने भी उनका स्वागत किया। ज्ञातव्य है कि 9 जून को प्रातः कुर्नूल-हैदराबाद हाईवे पर संतो का ट्रक से एक्सीडेंट हो गया था जिसके बाद उनका उपचार हैदराबाद की अस्पताल में तत्पश्चात बेंगलूरु के भगवान महावीर जैन हॉस्पिटल में चला और स्वस्थता में सुधार दिखने के बाद डॉक्टर ने पर्व पर्युषण के एक दिन पूर्व यानी शुक्रवार को आचार्यश्री को उपाश्रय की ओर प्रस्थान करने की अनुमति दी। आचार्यश्री के प्रवेश के समय चिकपेट संघ में खूब ही उत्साह भरा वातावरण था। विभिन्न संघों के पदाधिकारियों ने आचार्यश्री को नगरथपेट से चिकपेट लाए। श्राविकाओं ने गहुली, रंगोली, अष्टमंगल अलंकार आदि की तैयारी के साथ मंगल कलश के साथ आचार्यश्री की प्रदीक्षिणा दी। मंदिर में चैत्यवंदन पश्चात गुरुदेव का आगमन सोहन हॉल में संगीतमय वातावरण में हुआ। वंदन पश्चात गुरुदेव ने मांगलिक के बाद पर्व पर्युषण के पूर्व आराधना में जुडने की हितशिक्षा प्रदान की। मुनिश्री निर्मोहप्रभविजयजी ने उनके आगमन को चिकपेट के आदिनाथ दादा और आचार्यश्री हेमप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की कृपा बताई। संघ के अध्यक्ष गौतमचन्द सोलंकी ने आचार्यश्री सहित सभी का स्वागत किया। शुक्रवार को चातुर्मास प्रवेश सा माहौल था।

विद्यार्थी परिषद का किया गया सम्मान

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनिकेतन वाणिज्यिक प्री-ग्रेजुएशन और ग्रेजुएट कॉलेज में नियो फेस्टा 2024 का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि अशोक कटावे, अध्यक्ष भवरलाल, जैन, सचिव भरत भंडारी, उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार पालगोता, प्राचार्य वेंकन्ना हग्गी, मीडियम स्कूल के प्राचार्य डॉ. कैटरिना दिनेश, हिंदी मीडियम स्कूल के प्रिंसिपल श्री विलास पुडाले आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों काउंसिल के सदस्यों को सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

जूनियर चैंबर इंटरनेशनल इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश शर्मा ने विकास और प्रगति सम्मेलन में जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी के अध्यक्ष चेतन पोरवाल का सम्मान किया। पोरवाल की अध्यक्षता में जेसीआई बेंगलूरु द्वारा किए गए विशेष कार्य व उपलब्धियों के लिए उनका सम्मान किया गया।

'श्रद्धा से खुलता मुक्ति का द्वार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि श्रद्धा परम दुर्लभ है। श्रद्धा ही आत्मा के लिए मोक्ष का द्वार खोलती है। प्रभु महावीर ने चार मार्ग बतलाए ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप। जिसमें से सबसे प्रथम प्राप्ति होती है दर्शन की। दर्शन यानी श्रद्धा। श्रद्धा परम दुर्लभता से प्राप्त होती है। सम्यक श्रद्धा के बिना ज्ञान, चारित्र और तप भी सम्यक् होने वाले नहीं है। और इनके सम्यक हुए बिना मोक्ष नहीं्। श्रद्धा हो तो पत्थर में भी भगवान नजर आता है और इंसान की श्रद्धा मजबूत नहीं हो तो भगवान भी पत्थर जैसे दिखते है। शंका समकित का नाश करती है। हमें अपने धर्म पर सच्ची श्रद्धा-आस्था रखनी चाहिये। हमें प्रभु की जिनवाणी पर, प्रभु के वचनों पर कभी भी शंका, अविश्वास, अनीति नहीं करनी चाहिये । प्रभु की वाणी त्रिकाल सत्य हैं। जहाँ प्रभु के वचन हमारे समझ में नहीं आए वहां समझना चाहिए कि जरूर यह हमारी अल्प बुद्धि का परिणाम है, हमारा अज्ञान हैं जो प्रभु वचनों को हम सही रूप में ग्रहण नहीं कर पा रहे है।

साध्वीश्री ने रविवार से प्रारम्भ हो रहे पर्युषण महापर्व पर ज्यादा से ज्यादा आगम वाणी श्रवण करने, धर्म-ध्यान, तप-जप, सामायिक, प्रतिक्रमण करने, ज्ञान-चर्चा, संत्सग करने के लिए धर्म-स्थान में प्रतिदिन नियमित समय पर आने की बात कही।

प्रारंभ में साध्वी श्री स्नेह प्रभा जी ने कहा कि जो दर्शन यानी श्रद्धा से रहित है उसे ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती है और ज्ञान के अभाव में उसके जीवन में चारित्र गुण नहीं आ सकता है तथा चारित्र गुण के न होने पर मोक्ष प्राप्ति सम्भव नहीं हैं। यदि व्यक्ति सच्ची श्रद्धा रखें तो एक नवकार महामंत्र भी उसके जीवन को मुक्ति प्रदाता बन सकता हैं, जब इंसान पूर्ण समर्पित भाव से नवकार महामंत्र पर सच्ची श्रद्धा-आस्था रखते हुए तन-मन की एकाग्रता से प्रतिदिन नवकार महामंत्र का स्मरण करता है।

विनयवान ही श्रद्धावान होता है। जहां विश्वास होता है वहाँ मुक्ति होती है। साधक यदि ज्ञान प्राप्त करना चाहता है तो उसकी वीतराग के वचनों पर तथा उन वचनों की समझाने वाले गुरु पर पूर्ण श्रद्धा और विश्वास होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मंत्री सुरेशकुमार धोका ने करते हुए आठ दिवसीय अखंड जाप की जानकारी एवं आगामी पर्वधिराज पर्व की जानकारी दी।

धर्मविहीन व्यक्ति का जीवन व्यर्थ है : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में राजेशमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जैसे पुतलीविहीन नयन व्यर्थ है वैसे ही धर्मविहीन व्यक्ति का जीवन व्यर्थ है। मुनिश्री ने कहा कि धर्म ही हमारे जीवन का आधार है, इसी से मुक्ति का द्वार खुलता है । हमारे नाम का जयकारा गूंजे उसके लिए हमें धर्म की शरण में स्वयं को समर्पित करना होगा। ताकि स्वयं हम मंगल रूप कड़ी से जुड़कर सत्पुरुष बन जाएं। मुनिश्री ने कहा कि संसार रूपी टापू पर हमारे इस पुद्गल शरीर को क्षणिक आराम मिलता है वहीं धर्म रूपी टापू पर हमारी आत्मा को सदा सदा के लिए आराम मिल जाता है।

इस आत्मिक सुख को पाने के लिए सामायिक के सहारे भी पार किया जा सकता है । यदि हम शुद्ध सामायिक को जीवन में उतार दें तो संसार रूपी टापू पर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। व्यक्ति जीवन के अंतिम पड़ाव पर भी अपने पुरुषार्थ द्वारा सत्पुरुष के सान्निध्य में रहकर अपना जीवन सफल बना सकता है। पर्युषण पर्व के दिनों में हमें तपरूप, क्रिया रूप आत्मिक भोजन करना है ताकि संसार रूपी सागर से अपनी आत्मा को पूर्ण विश्राम दे सकें। इस मौके पर ऋषभमुनिजी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

सुख देने से सुख, दुःख देने से दुःख की ही प्राप्ति होती है : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के हीराबाग जैन स्थानक सेपिंग्स रोड में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री आगमश्रीजी ने कहा कि जो दूसरों के सुख एवं कल्याण का प्रयत्न करता है वह स्वयं भी सुख एवं कल्याण को प्राप्त करता है। फल क्रमानुसार ही मिलता है।

सुख देने से सुख, दुःख देने से दुःख की ही प्राप्ति होती है। जो सेवादि सत्कर्म करता है, वह प्रशंसा का पात्र बनता है। इस लोक में लोग सेवा करने वालों की पूजा करते हैं। सेवा दिल से हो, चाव से हो, साता पहुंचाने के लिए होनी चाहिए न कि दिखावे के लिए।

देह से जितना पुण्य हो सके कर लो। साधु संत भी सेवा करते है। अपने देह से जितनी सेवा होती है, जितना समय साधना में लगाते है उतनी ही सावधानीपूर्वक हमें उनकी रक्षा भी करनी चाहिए। जैसे पर्वत से निर्मल जल का झरना निरंतर बहता है, वैसे ही धर्म का प्रवाह प्रवाहित होना चाहिए। शरीर पुण्य धर्म का साधन है। संचालन मंत्री अशोक बांठिया ने किया।

जैन साहित्यकारों ने राज्यपाल को दिया निमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतरराष्ट्रीय जैन साहित्य संगम के कर्नाटक प्रदेशाध्यक्ष प्रकाश दक के नेतृत्व में कर्नाटक सचिव गौतम सालेचा, बेंगलूरु अध्यक्ष दिलीप गाँधी, सहसचिव रमेश श्रीश्रीमाल, सचिव राजेश चावत ने बेंगलूरु में राज्य के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात कर उन्हें मुम्बई में 20 सितम्बर से आयोजित तीन दिवसीय अधिवेशन में शामिल होने का निमन्त्रण दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल गहलोत ने जैन साहित्य संगम के साहित्यिक अवदानों की प्रशंसा करते हुए कहा यथासंभव अधिवेशन में आने के लिए आश्वस्त किया।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप जैन हर्षदर्शी ने बताया कि जैन कवि-साहित्यकारों के अधिवेशन में अनेक राजनेता, अभिनेता व विद्वान अतिथि के रुप में शामिल होंगे। महामंत्री मनोज मनोकामना ने बताया कि संस्था की अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू मंगलप्रभात लोढ़ा के सौजन्य से आयोजित इस अधिवेशन में देश-विदेश से कवि-साहित्यकार भाग लेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नवरात्रि नाइट्स

बेंगलूरु के एमआई इवेन्ट्स व मास्क कम्युनिकेशन द्वारा एपीएस ग्राउंड्स में 11 और 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाले नवरात्रि नाइट्स 2024 कार्यक्रम का पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को विधायक रवि सुब्रमण्यम ने किया। इस विमोचन के मौके पर दीपक धोका, निर्वाण जैन एस. कम्पली, विशाल बोहरा, रेखा आदित्य, गौरी दीपक, ज्योति राम, अनिकेत जैन और गौरव उपस्थित थे।

आरएसएस केरल में तीन दिवसीय समन्वय बैठक आयोजित करेगा

पलक्कड़ (केरल)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को कहा कि वह राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए जिले में तीन दिवसीय समन्वय बैठक आयोजित करेगा। आरएसएस ने यह भी कहा कि वह उन पहल पर चर्चा करेगा जो 2025 में संगठन के शताब्दी वर्ष पूरे होने के मौके पर शुरू करने का उसका इरादा है। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने संवाददाताओं को बताया कि अखिल भारतीय समन्वय बैठक 31 अगस्त, एक और दो सितंबर को आयोजित की जाएगी और इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत और छह संयुक्त महासचिव भाग लेंगे। उन्होंने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इसके अलावा बैठक में लगभग 32 आरएसएस प्रेरित संगठनों की भागीदारी होगी।

शहर के बस एवं कार संचालकों की तीन दिवसीय सेमिनार आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय,आवासीय एवं शहरी कार्य मंत्रालय व भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा समर्थित राष्ट्रीय बस एवं कार संचालक संघ का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन शहर के अंतर्राष्ट्रीयय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कर्नाटक सरकार के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बतौर मुख्य अतिथि किया। बस एवं कार संचालक संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्थानीय युवा उद्यमी सुनील शर्मा ने मुख्य अतिथि शिवकुमार का सम्मान किया। इस मौके पर शिवकुमार ने कहा कि सरकार परिवहन क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत है और जल्द ही सभी संबंधित उद्योग जगत से वार्ता कर समाधान खोजने का आश्वासन देती है। इस मौके पर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदेवसिंह खालसा सहित संघ के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

साधारण सभा में किया सदस्यों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बरार प्रवासी संघ की साधारण सभा में ओसवाल साजनान संघ मदारिया क्षेत्र के नव निर्वाचित अध्यक्ष ललित मांडोत का सम्मान किया गया। सभा में मांडोत द्वारा किए गए अनेक सामाजिक कार्यों का उल्लेख करते हुए उनके सम्मान में मदन बोराणा, रमेश दक, कैलाश बोराणा, भंवरलाल मांडोत, हेमराज मांडोत, गौतम दक आदि वक्ताओं ने अपने विचार रखे। उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से मलमास में एक स्नेह मिलन का आयोजन करने की स्वीकृति प्रदान की। मांडोत ने सभी का धन्यवाद दिया। इसके अलावा अन्य सभा संस्थाओं में सहयोग देने वाले अन्य सदस्यों का भी सम्मान किया गया। इस मौके पर बरार मित्र मंडल की युवा टीम के साथ लगभग 60 सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हेमराज मांडोत ने किया तथा विनोद दक ने धन्यवाद दिया।

आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट के बावजूद पुतिन की मंगोलिया यात्रा को लेकर क्रेमलिन को नहीं है कोई चिंता

मास्को/एपी

क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति के सरकारी आवास) ने कहा है कि उसे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आगामी मंगोलिया यात्रा के सिलसिले में कोई चिंता नहीं है। मंगोलिया अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) का हिस्सा है और इस न्यायालय ने पुतिन के खिलाफ पिछले साल गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पुतिन का तीन सितंबर को मंगोलिया जाने का कार्यक्रम है। मार्च 2023 में आईसीसी से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद पुतिन की किसी आईसीसी सदस्य देश की यह पहली यात्रा होगी। आईसीसी ने यूक्रेन में संदिग्ध युद्ध अपराध को लेकर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इस अदालत की स्थापना संधि 'रोम संविधि' के मुताबिक जिसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया होता है, वह यदि किसी आईसीसी सदस्य देश में कदम रखता है, तो उसे गिरफ्तार करना उस देश का दायित्व बनता है।

एक ऐसे ही बहुचर्चित मामले में, जब 2015 में सूडान के तत्कालीन राष्ट्रपति उमर अल-बशीर ने दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की थी, तब उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गिया था। दक्षिण अफ्रीका आईसीसी का सदस्य है। उसके इस कदम की मानवाधिकार कार्यकर्ताओं एवं देश के मुख्य विपक्षी दल ने कड़ी आलोचना की थी। पुतिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि क्रेमलिन को आगामी यात्रा को लेकर कोई 'चिंता नहीं' है:''मंगोलिया के अपने मित्रों के साथ हमारी शानदार बातचीत रही है।' पेस्कोव पहले दृढ़ता से कह चुके हैं कि रूस आईसीसी के क्षेत्राधिकार को नहीं मानता है। क्रेमलिन द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार, पुतिन ' जापानी सैन्यवादियों पर सोवियत और मंगोलियाई सशस्त्र बलों की संयुक्त जीत की 85 वीं वर्षगांठ पर औपचारिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए' (मंगोलियाई) राष्ट्रपति उखना खुरेलसुख के निमंत्रण पर मंगोलिया की यात्रा करेंगे।

न्याय नीति से अर्जित धन ही सुख दे सकता है : विनयमुनि

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि वही तपस्या श्रेष्ठ है जो मन पर चोट करे। तपस्या का प्रमुख उद्देश्य जीभ के स्वाद आकर्षण पर नियंत्रण करना है। आयंबिल तप शरीर व साधना के लिए अनुकरणीय तप है। स्वयं भगवान महावीर ने अपने 14000 शिष्यों में से आयंबिल तपस्वी धन्ना अणगार की गुण गाथा गाई थी। आयंबिल में शरीर को भोजन मिलता है किंतु स्वाद का निषेध रहता है। शास्त्र वाचन और स्वाध्याय के लिए भी आयंबिल तप का नियम है। विनयमुनिजी ने कहा कि गृहस्थ व्यवहार संपन्न होना चाहिए। प्रवचन सभा में अलसूर संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरडिया, मंत्री अभय कुमार बांठिया, शूले संघ के मंत्री मनोहरलाल बम्ब सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने आगामी पर्युषण पर्व के कार्यक्रमों की जानकारी दी। अध्यक्ष लालचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com